

04
नई दृष्टि दे सकते हैं ऐतिहासिक प्रसंग

इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ

04
वाणिज्य सचिव की निर्यातकों से अपील



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, रविवार, 29 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 71, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

महिला आरक्षण पर सहमति, लेकिन परिसीमन के फॉर्मूले पर विपक्ष के सवाल; राहुल ने भाजपा पर चुनावी नक्शा बदलकर राजनीतिक लाभ लेने का लगाया आरोप, डीएमके के समर्थन से हलचल, संसद सत्र में गरमाएगा मुद्दा

'850' पर घमासान

मृदुभाषी। नई दिल्ली

लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने की प्रस्तावित योजना और महिला आरक्षण विधेयक को लेकर देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर परिसीमन के जरिए देश का चुनावी नक्शा बदलकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश का आरोप लगाया है। वहीं, डीएमके ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयकों का समर्थन करने का ऐलान कर राजनीतिक समीकरणों को नया मोड़ दे दिया है। कांग्रेस महिला आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन परिसीमन की मौजूदा प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। 30 नवंबर से शुरू होने वाली संसदीय चर्चा से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इस मुद्दे पर टकराव तेज हो गया है।

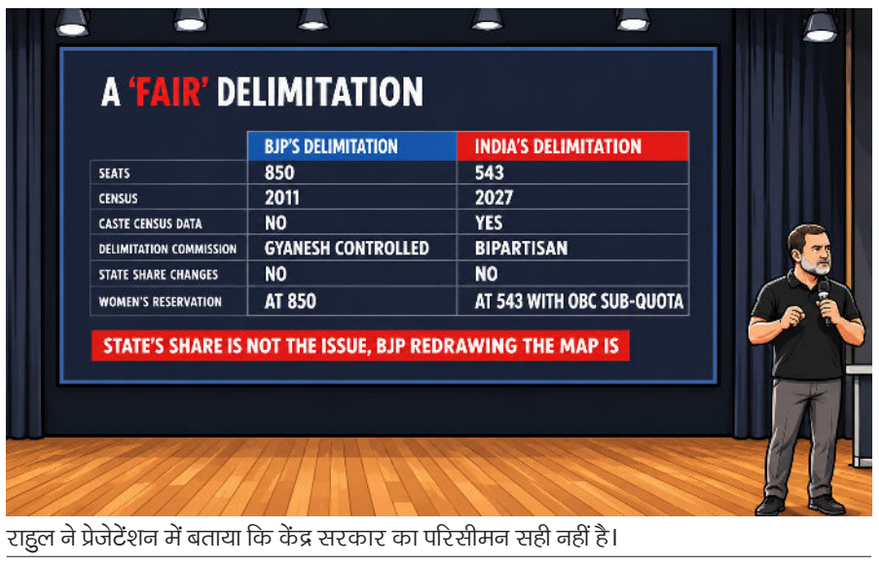

राहुल ने प्रेजेंटेशन में बताया कि केंद्र सरकार का परिसीमन सही नहीं है।

राहुल गांधी का सवाल- 850 सीटें करने का अधिकार किसने दिया?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार की प्रस्तावित परिसीमन योजना पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन के माध्यम से देश का इलेक्टोरल मैप दोबारा तैयार कर राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है। राहुल ने सवाल किया कि आखिर सरकार को देश का चुनावी नक्शा बदलने का अधिकार किसने दिया? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अब 850 सीटों का नया विचार लेकर आए हैं। यह भारतीय लोकतंत्र को खत्म करने की दिशा में उठाया गया कदम साबित हो सकता है। राहुल ने दावा किया कि देश के युवा, खासकर Gen-Z, चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर चिंतित हैं और वे उनके साथ खड़े हैं।

महिला आरक्षण पहले से पास, फिर सीटें बढ़ाने की जरूरत क्यों?: राहुल गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन को अलग-अलग मुद्दे बताते हुए सवाल उठाया कि जब महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही संसद से पारित हो चुका है, तो इसे लागू करने के लिए लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने की जरूरत क्यों पड़ रही है? महिला आरक्षण मौजूदा लोकसभा सीटों की संख्या के भीतर लागू किया जा सकता है।

चुनावी नक्शा बदलने की आशंका

राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा की सीटें बढ़ने से निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में बड़े पैमाने पर बदलाव की गुंजाइश पैदा होगी। उनके मुताबिक, इसका इस्तेमाल राजनीतिक रूप से विरोधी समुदायों के प्रतिनिधित्व को कमजोर करने और विपक्षी नेताओं को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने असम और जम्मू-कश्मीर में हुए परिसीमन का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि परिसीमन की प्रक्रिया का राजनीतिक इस्तेमाल होने की आशंका है।

ज्ञानेश कुमार को लेकर जल्द खुलासे का दावा

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास उनके बारे में पर्याप्त जानकारी है, जिसे जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। राहुल ने कहा, रहमने मोदी, शाह और ज्ञानेश को घेर लिया है। उन्हें भी पता है और हमें भी। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में संभावित खुलासों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।



डीएमके सांसदों की अमित शाह से मुलाकात, सियासी चर्चाएं तेज

एक तरफ कांग्रेस परिसीमन के प्रस्ताव का विरोध कर रही है, वहीं दूसरी ओर डीएमके ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयकों को समर्थन देने की घोषणा कर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। समर्थन के ऐलान के बाद डीएमके के कई सांसद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने उनके आवास पहुंचे। मुलाकात के बाद डीएमके नेता कनिमोझी और ए. राजा को अमित शाह के आवास से बाहर निकलते देखा गया। हालांकि,



इस बैठक के एजेंडे और बातचीत में हुई चर्चा का विस्तृत ब्योरा सामने नहीं आया है। डीएमके के समर्थन के ऐलान को आगामी संसदीय चर्चा के महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लोकसभा में बदली बैठने की व्यवस्था, सुप्रिया को नई सीट



संसद के आगामी सत्र से पहले लोकसभा सचिवालय ने कई सांसदों की बैठने की व्यवस्था में बदलाव किया है। 28 नवंबर 2026 को जारी सूची के अनुसार कुल 97 सांसदों के सीट या डिवीजन नंबर आवंटित अथवा पुनः आवंटित किए गए हैं। इस बदलाव में डीएमके और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सांसद भी शामिल हैं। नई व्यवस्था के तहत डीएमके सांसद INDIA गठबंधन के अन्य सांसदों से अलग बैठेंगे। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले की सीट भी बदली गई है। उन्हें अब डीएमके सांसद कनिमोझी और दयानिधि मारन के साथ बैठने की जगह दी गई है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने मई में लोकसभा सचिवालय को पत्र लिखकर पार्टी के सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था का अनुरोध किया था।

कांग्रेस का महिला आरक्षण को समर्थन, परिसीमन पर विरोध

कांग्रेस ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि पार्टी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के पक्ष में है, लेकिन इसके लिए परिसीमन की मौजूदा प्रस्तावित प्रक्रिया जरूरी नहीं है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनगणना से पहले परिसीमन कराकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि महिला आरक्षण मौजूदा सांसदों की संख्या के भीतर लागू किया जाना चाहिए। महिलाओं को उनका अधिकार हर हाल में मिलना चाहिए और कांग्रेस पहले भी महिला आरक्षण के पक्ष में थी तथा आज भी है। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने एनसीपी (शरदचंद्र) प्रमुख शरद पवार से प्रस्तावित विधेयक के खिलाफ मतदान करने की अपील की है।



30 नवंबर से संसद में होगी चर्चा

परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के लिए संसद का चार दिवसीय सत्र आयोजित होना है। लोकसभा में 30 नवंबर से और राज्यसभा में 2 दिसंबर से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा प्रस्तावित है। ऐसे में संसद के भीतर सरकार को विधेयकों के समर्थन में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने की चुनौती होगी। डीएमके के समर्थन के ऐलान ने इस राजनीतिक गणित को और दिलचस्प बना दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या महिला आरक्षण को लागू करने के लिए लोकसभा की सीटें बढ़ाना अनिवार्य माना जाएगा या विपक्ष के सुझाए विकल्पों पर भी सरकार विचार करेगी?

दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट से उठा विवाद

1980 की वोटर लिस्ट में सोनिया का नाम, 1983 में मिली नागरिकता



मृदुभाषी। नई दिल्ली

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की भारतीय नागरिकता और मतदाता सूची में नाम दर्ज होने को लेकर पुराना विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करते हुए बताया कि वर्ष 1980 में सोनिया गांधी भारतीय नागरिक नहीं थीं, इसके बावजूद उनका नाम उस समय की मतदाता सूची में दर्ज था। पुलिस के मुताबिक, उन्हें 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई थी। पुलिस ने बताया कि इन तथ्यों की पुष्टि नई दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय से प्राप्त रिकॉर्ड के आधार पर की गई है।

इस मामले में अदालत ने दिल्ली पुलिस को जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। साथ ही तुगलक रोड थाने के एसएचओ को भी तलब किया है, ताकि जांच की स्थिति और मामले में संभावित कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली जा सके। अब मामले की अगली सुनवाई 14 दिसंबर को होगी। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि वर्ष 1980 और 1983 की मतदाता सूचियों में सोनिया गांधी का नाम दर्ज होने की पुष्टि हुई है, हालांकि नाम दर्ज कराने से संबंधित फॉर्म-6 और अन्य मूल दस्तावेजों का पता लगाया जाना अभी बाकी है। दरअसल, यह पूरा मामला वर्ष 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में सोनिया गांधी का नाम शामिल होने से जुड़ा है। अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने अदालत में शिकायत दाखिल कर आरोप लगाया था।

न्यूज इन ब्रीफ

चंद्रचूड़ बोले- AI से बोरिंग काम करवाइए



नई दिल्ली। पूर्व CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि AI अदालतों के ऊबाऊ और रोजमर्रा का काम कर सकता है, लेकिन फैसला और उसे लिखने की वजह जज की ही जिम्मेदारी रहनी चाहिए। नई दिल्ली में शनिवार को हुए 'AI फॉर ऑल: AI गवर्नेंस एंड ट्रस्ट, द केस फॉर ज्यूडिशियल एक्सेस एंड एनपावर्ड इंडिया' कार्यक्रम में पूर्व CJI ने ये बातें कहीं।

300 मीटर खाई में गिरी कार, 8 मौतें



देहरादून। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में शनिवार को सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। रिखणीखाल ब्लॉक में सिद्धखाल-कलवाड़ी-सतपुली मार्ग पर कलवाड़ी बैंड के पास एक ईको कार अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग एक ही गांव के थे। वे बैंणी-भुली योजना के फॉर्म भरकर सिद्धखाल से अपने गांव भगलवाण लौट रहे थे। हादसे के बाद प्रशासन की मौके पर पहुंची।

आमने-सामने भिड़ीं बाईक, 4 की मौत



गुना। राजगढ़ जिले के सुठालिया रोड स्थित नलखेड़ा के पास दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में जान गंवाने वाले दो युवक गुना जिले के मधुसूदनगढ़ के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि अन्य दो मृतक विदिशा जिले के सिरोंज स्थित मुगलसराय क्षेत्र के रहने वाले हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और चारों शवों को अस्पताल भिजवाया।

चीन को हराकर भारत बना महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक बार फिर एशियाई हॉकी में अपना दबदबा कायम करते हुए इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में चीन को 3-1 से करारी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि कुल चौथी बार ट्रॉफी जीतकर प्रतियोगिता के इतिहास की सबसे सफल टीम बन गई। खिताबी मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही शानदार खेल का



प्रदर्शन किया और चीन की टीम पर दबाव बनाए रखा। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम का तालमेल, आक्रामक अंदाज और बेहतरीन खेल देखने को मिला।

AI बन सकता है कोरोना से बड़ा संकट!

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की तेजी से बढ़ती ताकत जहां दुनिया के लिए नई संभावनाओं के दरवाजे खोल रही है, वहीं इसके संभावित खतरों को लेकर वैज्ञानिकों की चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं। जीपीटी-5 की सुरक्षा जांच कर चुके वैज्ञानिक निकोला युर्कोविच ने चेतावनी दी है कि यदि AI का विकास इसी रफ्तार से जारी रहा और इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखा गया, तो यह कोरोना महामारी से भी बड़ा वैश्विक संकट खड़ा कर सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि AI की मदद से अपराधियों को जैविक हथियार बनाने से जुड़ी तकनीक तक पहुंच मिल सकती है, जिससे वर्ष 2027 में बड़े पैमाने पर जनहानि



का खतरा पैदा हो सकता है। युर्कोविच ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था पर भी चिंता जताई है। उनके मुताबिक, AI के दुरुपयोग से ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल वित्तीय सेवाएं ठप होने जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने लोगों को संभावित आपातकालीन परिस्थितियों के लिए तैयार रहने की सलाह देते हुए घर में कम से कम 14 दिनों का राशन, पीने का पानी और पर्याप्त नकदी रखने को कहा है। वैज्ञानिक ने AI के भविष्य को लेकर और भी गंभीर आशंका जताई है। उनका अनुमान है कि यदि तकनीक के विकास की मौजूदा रफ्तार पर रोक नहीं लगी, तो वर्ष 2030 के अंत तक इंसानियत के अस्तित्व पर संकट या AI से नियंत्रण खोने की आशंका 50 प्रतिशत तक हो सकती है। उन्होंने यह भी चेताया कि यदि मानवता इन संभावित खतरों से बच भी जाती है, तब भी अगले दस वर्षों में मौजूदा अधिकांश नौकरियां AI और ऑटोमेशन के कारण खत्म हो सकती हैं या उनका स्वरूप पूरी तरह बदल सकता है।

CRPF ने संभाली जिम्मेदारी | **पहाड़ी पर केवल 50 लोगों को मिली अनुमति**

तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर जला कार्तिगई दीपम

मृदुभाषी। चेन्नई

तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर शनिवार शाम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ऐतिहासिक दीपस्तंभ पर कार्तिगई दीपम प्रज्वलित किया गया। शाम 5 बजे हुई इस धार्मिक रस्म के दौरान हाईकोर्ट के दो पूर्व न्यायाधीश भी मौजूद रहे।

आयोजन को देखते हुए पहाड़ी की सुरक्षा व्यवस्था CRPF ने अपने हाथों में ले ली थी और प्रशासन की ओर से केवल 50 लोगों को पहाड़ी पर जाने की अनुमति दी गई। दीप प्रज्वलन के साथ ही लंबे समय से चल रहा विवाद एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ



गया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून यानी पारंपरिक पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने की अनुमति दी थी, लेकिन तमिलनाडु सरकार और मंदिर प्रशासन ने निर्धारित स्थान पर दीप प्रज्वलित नहीं किया। इसके बजाय उचि पिल्लैयार मंदिर में दीप जलाया गया। इस मामले को लेकर 27 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए मंदिर के ट्रस्टियों को हटाने और दीपस्तंभ पर दोबारा दीप जलाने का आदेश दिया था। इसके बाद मेघालय हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस. वैद्यनाथन और मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वी. पार्थिबन को मंदिर प्रशासन की देखरेख के लिए रिसीवर नियुक्त किया गया। दोनों पूर्व न्यायाधीश शनिवार सुबह चेन्नई से मदुरै पहुंचे। मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने दीप प्रज्वलन के लिए तैयार किया गया बड़ा दीपपात्र पुजारियों को सौंपा।

क्या है कार्तिगई

कार्तिगई दीपम तमिलनाडु का प्रमुख हिंदू प्रकाश पर्व है, जिसे दक्षिण भारत के दीपोत्सव के रूप में भी जाना जाता है। कार्तिक नक्षत्र और पूर्णिमा के संयोग पर मनाए जाने वाले इस पर्व में श्रद्धालु दीप प्रज्वलन को भगवान शिव के ज्योति स्वरूप का प्रतीक मानते हैं। तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपस्तंभ पर दीप जलाने की परंपरा धार्मिक आस्था से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस वर्ष यहां दीप प्रज्वलन की रस्म संपन्न होने को श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में बिहार ने उठाए बिजली क्षेत्र के अहम मुद्दे

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश के ऊर्जा क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शनिवार को नई दिल्ली में ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन में बिहार के ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (BSPHCL) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं ऊर्जा सचिव अजय यादव (IAS) शामिल हुए। बैठक में बिजली व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा भंडारण



क्षमता बढ़ाने, ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार और बिजली वितरण कंपनियों की आर्थिक स्थिति सुधारने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन का पहला सत्र केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसमें केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक भी मौजूद रहे। इस अवसर पर बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड और बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विशाल राज भी उपस्थित थे।

इंदौर-उज्जैन छह लेन रोड पर राहगीरों को बड़ी राहत

नए साल से हटेगा बारोली टोल नाका, निनोरा का होगा विस्तार



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर-उज्जैन छह लेन सड़क के तैयार होने के बाद वाहन चालकों को दो अलग-अलग टोल बैरियर पर रुकने की परेशानी से बड़ी राहत मिलने जा रही है। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड (एमपीआरडीसी) द्वारा बनाई जा रही इस सड़क पर नई टोल व्यवस्था लागू होने के बाद उज्जैन की ओर स्थित निनोरा टोल प्लाजा का छह लेन के अनुरूप विस्तार किया जाएगा, जबकि इंदौर की तरफ बने बारोली टोल नाके को पूरी तरह बंद कर हटा दिया जाएगा। नए साल से बारोली नाका हटाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

इस बदलाव का सबसे अधिक लाभ सांवेर रोड पर विकसित हो चुकी कॉलोनियों में रहने वाले हजारों रहवासियों को मिलेगा। वर्ष 2010 में जब यह सड़क और टोल नाका बना था, तब यह क्षेत्र शहर की सीमा से बाहर था, लेकिन तेजी से हुए शहरी विस्तार के कारण अब सांवेर तक घनी आबादी बस चुकी है। यहां रहने वाले हजारों लोग प्रतिदिन कामकाज के लिए इंदौर आते-जाते हैं और चार पहिया वाहन चालकों को बारोली नाके पर टोल चुकाना पड़ता है। नाका हटने के बाद सांवेर तक आने-जाने वाले स्थानीय लोगों को टोल शुल्क से मुक्ति मिल जाएगी।

एक ही स्थान पर वसूला जाता है टोल

वर्तमान में इस मार्ग पर बारोली और निनोरा दो टोल नाके संचालित हैं। हालांकि टोल शुल्क एक ही स्थान पर वसूला जाता है, लेकिन फास्टैग होने के बावजूद दोनों बैरियर पर वाहनों की गति धीमी होने से अतिरिक्त समय लगता है।

इसके अलावा सड़क निर्माण के कारण बारोली नाके पर इंदौर से उज्जैन जाने वाली लेन में अक्सर लंबा जाम लग जाता है। गत शाम भी यहां जाम की स्थिति बनी और वाहन चालकों को नाका पार करने में 20 से 30 मिनट तक का समय लगा।

एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक गगन भाभर ने बताया कि इंदौर-उज्जैन रोड पर अब एक ही टोल नाका रहेगा। वर्तमान में निनोरा नाके पर आठ लेन से आवाजाही हो रही है, जिसका छह लेन सड़क के अनुरूप विस्तार कार्य जारी है। इसे जल्द पूरा करने के बाद बारोली नाके को हटा दिया जाएगा और इंदौर से उज्जैन जाने वाले वाहनों को सीधे निनोरा में ही टोल देना होगा। इससे आगामी सिंहस्थ के दौरान भी यातायात सुचारू रखने में बड़ी मदद मिलेगी।

चाय पीने के मामूली विवाद में मारपीट

इंदौर। सरवटे बस स्टैंड पर चाय पीने के दौरान हुआ मामूली विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि पूर्व परिचित युवक-युवती ने 17 वर्षीय लड़की से अश्लील गाली-गलौज की और विरोध करने पर उसके बाल पकड़कर मारपीट की। पीड़िता की शिकायत पर छोटी ग्वालटोली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, खजराना निवासी जोया (17) एक दिन पहले अपने दोस्त अलफेज मंसूरी के साथ सरवटे बस स्टैंड के उज्जैन गेट के पास चाय पीने गई थी। इसी दौरान वहां उसके पूर्व परिचित सोफिया और रिशू उर्फ बवाल भी पहुंच गए।

गाली देने से रोका तो मारपीट की

जोया ने सभी के लिए चाय का ऑर्डर दिया। चाय लेने के दौरान सोफिया ने कथित तौर पर जोया को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। जोया ने इसका विरोध करते हुए गाली देने से मना किया तो दोनों आरोपी भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज जारी रखते हुए जोया के बाल पकड़कर उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने 27 नवंबर की रात छोटी ग्वालटोली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सोफिया और रिशू उर्फ बवाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मेडिकल टूरिज्म व वेलनेस कॉरिडोर बनेंगे इंदौर-उज्जैन, NABH का बनेगा पोर्टल



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर और उज्जैन को मेडिकल टूरिज्म एवं वेलनेस कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की कवायद शुरू हो गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और विश्वस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए एनएबीएच (नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स) से मान्यता प्राप्त अस्पतालों का एक समर्पित पोर्टल तैयार किया जाएगा, जहां अस्पतालों की विशेषज्ञ सुविधाओं, उपचार और पैकेज की पूरी जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध रहेगी।

योजना की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा

संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस योजना की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। संभागायुक्त ने मेडिकल टूरिज्म को व्यवस्थित रूप देने के लिए स्थानीय और सलाहकार समिति गठित करने के निर्देश दिए। साथ ही सुविधायुक्त अस्पतालों से योजना में जुड़ने की सहमति लेने के लिए पत्र जारी करने और संचालन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा। उन्होंने बताया कि इंदौर में बड़े अस्पताल समूह, एयर एम्बुलेंस तथा बेहतर हवाई व रेल संपर्क मौजूद है, जबकि उज्जैन का महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग वैश्विक स्तर पर श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। इन दोनों शहरों की खूबियों को जोड़कर इंदौर को एक क्षेत्रीय मेडिकल हब बनाया जा सकता है। बैठक में अस्पतालों की विशेषज्ञता के आधार पर उपचार पैकेज की सूची तैयार करने और उनके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त मरीजों के लिए इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की सुविधा विकसित करने, स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद व होम्योपैथी को जोड़कर वेलनेस सुविधाएं बढ़ाने पर भी विचार किया गया। इस पहल के माध्यम से मध्य एशिया, यूरोप और अफ्रीका के मरीजों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

नौकरानी व उसका ब्वॉयफ्रेंड गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। सुदामानगर (मेन) निवासी सुनील सोनी के घर से लाखों रुपये के सोने और हीरे के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। शादी समारोह के लिए अलमारी खोलने पर जेवर गायब मिले, जिसके बाद अन्नपूर्णा पुलिस ने गुरुवार रात मामला दर्ज कर घर की नौकरानी पिंकी को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ और मोबाइल खंगालने पर पता चला कि श्रद्धा सबुरी कॉलोनी निवासी पिंकी पिछले नौ महीने से धीरे-धीरे आभूषण चुरा रही थी। मोबाइल चैट में उसके ब्वॉयफ्रेंड युवराज के साथ लाखों के लेनदेन और गहनों की तस्वीरें मिलीं। आमना-सामना कराने पर दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। पिंकी गहने चुराकर इलेक्ट्रिशियन युवराज को देती थी, जिसने कुछ जेवर बेच दिए और कुछ गिरवी रखकर कर्ज ले लिया।

दोनों ने इन रुपयों से मोबाइल व कपड़ों पर खर्च किया और पिंकी ने एफडी भी करवा ली। चोरी हुए गहनों में सोने का हार, चूड़ियां, मंगलसूत्र, हीरे की अंगूठियां सहित अन्य आभूषण शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को रिमांड पर लिया है।

एक अन्य मामले में बाणगंगा पुलिस ने पोलोग्राउंड स्थित दिशा मार्केटिंग में हुई पांच लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए दुकान के नौकर विशाल श्यामलाल वर्मा और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। संचालक अनिल अरोड़ा की शिकायत पर सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़े गए नौकर ने अपने दोस्तों के जरिए गल्ले से नकदी चोरी करवाना स्वीकार किया है। इसके अलावा शहर में चोरी की दो अन्य वारदातें भी हुईं। लसूड़िया थाना क्षेत्र की कासा ग्रीन सिटी (तलावली) निवासी विजेंद्रसिंह सेंगर के सूने मकान से चोर सोने के कड़े, मंगलसूत्र और नकदी ले उड़े, जबकि पलासिया के मनोरमागंज निवासी चंद्रप्रकाश सूरजमल के घर से सोने की चार चूड़ियां चोरी हो गईं।

नृत्य ही संपूर्ण फिटनेस, यूपी के सीएम बनेंगे योगी : हेमामालिनी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। फिल्म अभिनेत्री और प्रसिद्ध नृत्यांगना हेमा मालिनी शनिवार को इंदौर पहुंचीं। शहर में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने राजनीति, अपने लंबे फिल्मी सफर, अभिनय की बारीकियों और नृत्य कला से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने बहुत सुधार किए हैं और अगली बार भी वे ही मुख्यमंत्री बनेंगे। हेमा मालिनी ने संसद में महिला आरक्षण बिल पास होने का विश्वास जताते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दलों

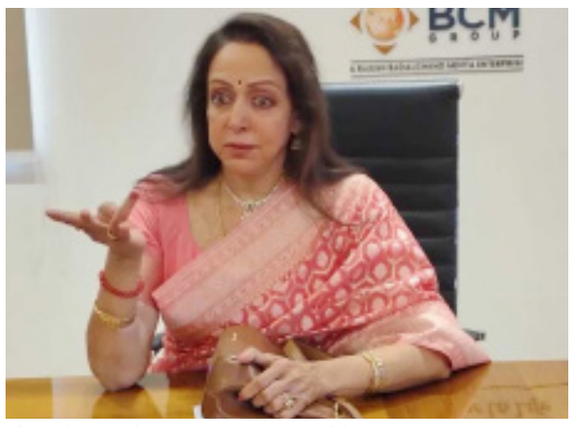

को इसके पक्ष में मतदान करना चाहिए।

नृत्य और फिटनेस को लेकर उन्होंने कहा कि यदि आप नृत्य करते हैं तो फिटनेस के लिए कुछ और करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह संपूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करता है। 78 वर्ष की आयु में भी वे मंच पर प्रस्तुति देने से पहले नियमित अभ्यास और तैयारी को प्राथमिकता देती हैं। हेमा मालिनी इंदौर में एक स्कूल के उद्घाटन समारोह में 75 मिनट की नृत्य प्रस्तुति देने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अभिनय और नृत्य उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और किसी भी मंच पर जाने से पूर्व निरंतर अभ्यास बेहद जरूरी है।

फूलवती का किरदार बेहद खास और चुनौतीपूर्ण

अपने पुराने फिल्मी किरदारों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद जब वे पुरानी फिल्में देखती हैं तो उस दौर की चुनौतियां ताजा हो जाती हैं, हालांकि शूटिंग के समय वे हर मुश्किल को सहजता और आत्मविश्वास के साथ पूरा करती थीं। मीडिया चर्चा के दौरान शोले के बसंती किरदार के साथ-साथ 1981 में आई फिल्म 'क्रोधी' में निभाए गए फूलवती के किरदार पर भी बात हुई। हेमा मालिनी ने कहा कि फूलवती का किरदार बेहद खास और चुनौतीपूर्ण था, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी और दर्शकों को उसमें कहीं न कहीं बसंती की झलक भी महसूस होती है।

ठाकरे के सपनों को साकार करने में सेवादूत और विधानसभा समन्वयक की अहम भूमिका : खंडेलवाल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। भाजपा की 25 दिवसीय अल्पकालीन विस्तारक - सेवादूत एवं विधानसभा समन्वयक प्रशिक्षण कार्यशाला एक निजी होटल में आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय की अवधारणा को पूरा करने का काम हमारी सरकारें कर रही है।

हमारे पितृपुरुष कुशाभाऊ ठाकरे ने कार्यकताओं को सेवा का मूलमंत्र दिया था, सेवा के माध्यम से संगठन को गढ़ने का काम करने वाले ठाकरे के पदचिह्नों पर चलते हुए संगठन के विस्तार में सेवादूत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले है। केंद्र संगठन ने तय किया है कि देश भर की विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सेवादूत बनकर जाएंगे। भाजपा के लिए राजनीति सत्ता नहीं सेवा का माध्यम है, इसी ध्येय के साथ विधानसभा क्षेत्रों में जायेंगे। सेवादूत संगठन गढ़ने का काम करेंगे, वह बूथ को मजबूत करने, शक्तिकेंद्रो को सक्रिय करने के साथ साथ मंडल को सक्षम बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। खंडेलवाल ने कहा कि एसआईआर सहित विभिन्न विषयों पर कांग्रेस द्वारा जनता को भ्रमित करने के प्रयासों का तथ्यात्मक जवाब जनता के बीच पहुंचाना



है। इस अभियान के चार प्रमुख उद्देश्य हैं-सेवा कार्य, संगठन विस्तार, नैरेटिव निर्माण और निष्क्रिय बूथों को सक्रिय करना। सेवा दूतों के लिए पार्टी के आगामी 25 दिन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सेवा दूत औसतन प्रत्येक मंडल में 5 दिन प्रवास कर बूथ स्तर तक पहुंचेंगे।

सेवादूतों में होंगे तीन श्रेणी का कार्यकर्ता : चन्द्रशेखर

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि हम सेवा दूत अभियान के माध्यम से सेवा के हमारे मिशन से जुड़ेंगे। सेवादूतों को गरीब कल्याण एवं जनसेवा से जुड़ी गतिविधियां संचालित करनी हैं। इसमें 3 श्रेणी के कार्यकर्ताओं की भूमिका होगी, सेवादूत, विधानसभा समन्वयक और आईटी व सोशल मीडिया के हमारे कार्यकर्ता अभियान को गति देंगे। इस अभियान में हमे अपना सर्वश्रेष्ठ देना है, तभी हमारा मिशन पूरा होगा। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन की पहचान व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और व्यवस्था निर्माण करना है। यदि हम विधानसभा में योजना बनाकर काम करेंगे तो परिणाम अच्छा आएगा। सेवा दूत के माध्यम से हम संगठन के सशक्तिकरण के साथ साथ पार्टी की विचारधारा को जनता तक पहुंचाना है। कार्यशाला में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ ने पीपीटी के माध्यम से अभियान की कार्ययोजना एवं गतिविधियों को प्रस्तुत किया। संचालन अनंत पंवार ने किया तथा आभार आलोक संजर ने व्यक्त किया।

पुलिसकर्मी से फॉरेक्स व शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 8 लाख से अधिक की ठगी, दो आरोपियों पर एफआईआर

इंदौर । शहर के फर्स्ट बटालियन में रहने वाले एक पुलिसकर्मी से शेयर मार्केट और फॉरेक्स ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर 8 लाख रुपए से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने मेटा ट्रेडर ऐप के जरिए विदेशी कंपनियों के शेयर में निवेश करवाया और भरोसा जीतने के लिए शुरूआत में मुनाफा भी दिखाया। बाद में जब रकम वापस मांगी गई, तो आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। लसूड़िया पुलिस ने पीड़ित पुलिसकर्मी पवन कुमार शर्मा की शिकायत पर सोनम परदेशी और दिनेश शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, पवन कुमार शर्मा के मोबाइल पर एक युवती का कॉल आया था, जिसने अपना नाम सोनम परदेशी और पता स्कीम नंबर 136 बताया। उसने ट्रेडिंग के जरिए रोजाना 10 से 20 प्रतिशत तक मुनाफा दिलाने का दावा किया। स्थानीय निवासी होने की बात सुनकर पवन उसके झांसे में आ गए। उन्होंने 23 दिसंबर 2023 को पत्नी के खाते से 5 हजार रुपए और फिर चचेरे भाई के खाते से 35 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए। इसके बाद अन्य किस्तों में भी राशि भेजी गई।सोनम ने फॉरेक्स मार्केटिंग में निवेश के लिए दिनेश शर्मा का नंबर दिया, जिसने मार्केट गिरने का हवाला देकर बड़े मुनाफे का लालच दिया। इसके बाद पवन ने रिश्तेदारों से उधार लेकर 2 लाख रुपए नकद तथा 5 लाख और 4 लाख 40 हजार रुपए के दो चेक सोनम को दिए। 29 दिसंबर 2024 को 50 हजार रुपए मुनाफा बताकर खाते में 70 हजार रुपए भेजे गए और ऐप पर 10 लाख 90 हजार रुपए से अधिक का मुनाफा दिखने लगा।

प्रैक्टिकल में फेल करने की धमकी, प्राचार्य का वीडियो वायरल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। मल्हार आश्रम स्कूल के प्राचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने वाले छात्रों को प्रैक्टिकल परीक्षा में फेल करने की धमकी देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्राचार्य यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि शिकायत करने के बाद अब देखना वे छात्रों के साथ क्या करते हैं। छात्रों द्वारा बनाए गए इस वीडियो के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग द्वारा प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह वीडियो कब का है, इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल की नई बिल्डिंग में शौचालयों में गंदगी की समस्या को लेकर कुछ विद्यार्थियों ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बात से नाराज होकर प्राचार्य ने शिकायत करने वाले छात्रों को बुलाया और पूछा कि शिकायत किस-किस ने की है। जब कुछ छात्र सामने आए, तो प्राचार्य ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने पहले समस्या के बारे में उन्हें बताया था। इस पर एक छात्र ने जवाब दिया कि हां, उन्होंने समस्या बताई थी। इसके बाद प्राचार्य ने कथित तौर पर कहा कि बिना बताए शिकायत की गई है, तो वे भी बिना बताए क्या कर सकते हैं, इसका छात्रों को अंदाजा नहीं है।

प्रैक्टिकल में अंक नहीं मिलने पर परीक्षा में फेल होना तय

इस वीडियो में स्कूल प्राचार्य मोबाइल पर एक मैसेज को टाइप करते और उस मैसेज को एक छात्र को वह मैसेज पढ़कर सुनाने के लिए कहते दिखाई दे रहे हैं। मैसेज में शिकायतकर्ता छात्रों को प्रैक्टिकल में शून्य अंक देने और उन्हें फेल करने का निर्देश लिखा था। प्राचार्य ने कहा कि प्रैक्टिकल में अंक नहीं मिलने पर मुख्य परीक्षा में फेल होना तय है, साथ ही उन्होंने मैसेज डिलीट करने या नंबर कटवाने को लेकर भी छात्रों से सवाल किया।

कैसा रहेगा इंदौर का मौसम

इंदौर। ठंड का असर अब धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। मौसम के बदलते मिजाज के बीच दिन के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जबकि रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी है। सुबह और रात के समय ठिठुरन महसूस होने लगी है। रात में गिरते पारे का असर सुबह आठ बजे तक बना रहने लगा है। सुबह के समय शहरवासियों की दिनचर्या में भी बदलाव देखने को मिल रहा है।

लोग अब गुनगुनी धूप में बैठना पसंद करने लगे हैं। सुबह के वक्त स्वेटर, जैकेट और शॉल जैसे गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **संजय रामलाल यादव, मीना पति संजय यादव** निगम में दर्ज नाम **संजय रामलाल यादव** झोन क्र. 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ सह-स्वामित्व पंजीकरण के अनुसार प्रस्तुत कर **सर्विस /पिन नंबर 9000276498** पता **160 पुराना, नया 105/1, रोड नं. 12, न्यू देवास रोड, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **29.11.2026** से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री नीतेश चुघ** पता **145, एग्जेटिका ग्रीन्स, इन्दौर**, खाता क्र. **1004046222** झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **श्रीमती शिल्पा वर्मा पतिश्री महेन्द्र वर्मा** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **29.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री नीतेश चुघ** पता **145, एग्जेटिका ग्रीन्स, इन्दौर**, खाता क्र. **1004046222** झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **श्रीमती शिल्पा वर्मा पतिश्री महेन्द्र वर्मा** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **29.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री मोहम्मद रफीक पिता श्री मोहम्मद सईद** पता **49, वैभव नगर एक्स., से.-बी 301, श्लोक निवास, इन्दौर**, खाता क्र. **9000105508** झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **श्रीमती अंजू वर्मा पतिश्री नितिन वर्मा ।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **29.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्रीमती ज्योति गुप्ता पतिश्री किशोर गुप्ता** पता **148, श्री अग्रवाल नगर, पैकी पूर्व भाग दिशा का भाग, ग्राम भिचौली मर्दाना, तह. भिचौली हप्सी, इन्दौर**, खाता क्र. **9000332208** झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **महिमा देशलेहरा पतिश्री गौरव देशलेहरा।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **29.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता **अधि. खेमराज पिताश्री नानुराम राठौर** के द्वारा झोन **क्रमांक 14** राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर पता **1901 पैकी, द्वारकापुरी कॉलोनी, इन्दौर** के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामांतरण क्रेता **अंजु पिताश्री लालू बवेल के** नाम पर चाहा गया है। पिन नं. **1003128992** इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **29.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, वित्त संस्था, बैंक, निकाय को आपत्ति हो तो **झोन क्र. 14** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, राजेंद्र धारकर झोन, झोन क्रमांक 14 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता **श्रीमती सुशीलाबाई पतिश्री नत्थुलाल मौर्य** के द्वारा **झोन क्रमांक 14** राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर पता **भू.क्र. 06, पैकि पूर्व-दक्षिण भाग क्र. 6/7, ग्राम सिरपुर, श्रद्धापुरी कॉलोनी, कॉलोनी, इन्दौर** के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामांतरण क्रेता **विशाल पिताश्री हेमराज बागड़ी** के नाम पर चाहा गया है। पिन नं. **1002893836** इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **29.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, वित्त संस्था, बैंक, निकाय को आपत्ति हो तो **झोन क्र. 14** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, राजेंद्र धारकर झोन, झोन क्रमांक 14 नगर पालिका निगम इंदौर

MP में बढ़ेंगी 115 विधानसभा सीटें, 29 से 44 हो जाएंगी लोकसभा सीटें!

परिसीमन से बदलेगा सियासत का पूरा नक्शा, भोपाल-इंदौर में नए समीकरण

मृदुभाषी। भोपाल

मध्यप्रदेश की राजनीति में आने वाले समय में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। केंद्र सरकार के परिसीमन प्रस्ताव ने प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। प्रस्तावित फॉर्मूले के तहत यदि लोकसभा और विधानसभा की सीटों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि होती है, तो मध्यप्रदेश में विधानसभा की मौजूदा 230 सीटें बढ़कर 345 हो सकती हैं। वहीं लोकसभा की 29 सीटों की संख्या बढ़कर 44 तक पहुंचने का अनुमान है। यानी प्रदेश को 115 नए विधानसभा क्षेत्र और 15 अतिरिक्त लोकसभा सीटें मिल सकती हैं। हालांकि, सीटों की वास्तविक संख्या परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

केंद्रीय कैबिनेट ने 27 नवंबर को परिसीमन और संविधान संशोधन से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव का एक बड़ा उद्देश्य महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। यदि प्रस्तावित फॉर्मूला लागू होता है तो मध्यप्रदेश की राजनीति में केवल सीटों की संख्या ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि चुनावी नक्शा, नेताओं की दावेदारी और भाजपा-कांग्रेस की रणनीति भी पूरी तरह बदल सकती है।

मध्यप्रदेश में विधानसभा सीटों की संख्या 230 से बढ़कर 345 होने की स्थिति में 115 नए निर्वाचन क्षेत्र अस्तित्व में आ सकते हैं। इसका सीधा असर प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक समीकरणों पर पड़ेगा। नए विधानसभा क्षेत्र बनने से उन नेताओं के लिए भी चुनावी मैदान में उतरने का रास्ता खुल सकता है, जो वर्षों से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

वहीं मौजूदा विधायकों के सामने भी नई चुनौती होगी। परिसीमन में यदि उनके क्षेत्र की सीमाएं बदलती हैं या मौजूदा विधानसभा क्षेत्र दो हिस्सों में बंटता है तो उन्हें नए मतदाता वर्ग के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ साबित करनी होगी। ऐसे में कई नेताओं की राजनीतिक जमीन मजबूत हो सकती है, तो कुछ को नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ सकती है। परिसीमन के बाद यदि विधानसभा क्षेत्रों का दायरा छोटा होता है तो स्थानीय समस्याएं चुनाव का प्रमुख मुद्दा बन सकती हैं। सड़क, पेयजल, बिजली, रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा और परिवहन जैसे विषयों पर उम्मीदवारों की जवाबदेही बढ़ेगी। अभी कई विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाके शामिल हैं। नए क्षेत्रों के गठन से स्थानीय जातीय और सामाजिक समीकरण भी बदल सकते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों को बड़े चेहरों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सक्रिय नेताओं को भी महत्व देना होगा। राजनीतिक जानकार प्रभु पटैरिया का कहना है कि परिसीमन नई जनगणना के आधार पर होना चाहिए था, लेकिन अब 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात सामने आ रही है। बिना युक्तियुक्तकरण के पूरे देश में एक साथ 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने से कई नई मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। महिला आरक्षण के साथ एससी-एसटी वर्ग की आरक्षित सीटों का समीकरण भी बदलेगा। वर्ष 2011 के बाद हुए जनसांख्यिकीय बदलावों के अनुपात में विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलेगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। प्रस्ताव के अनुसार परिसीमन में निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर तय करने की बात है। राज्यों के बीच लोकसभा सीटों का मौजूदा अनुपात 2051 तक बनाए रखने का प्रस्ताव भी शामिल है

हालांकि, अभी सीटों की बढ़ोतरी को संभावित आंकड़ों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। संसद में संबंधित विधेयकों के पारित होने और संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिसीमन आयोग का गठन होगा। आयोग की प्रक्रिया के बाद ही मध्यप्रदेश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की वास्तविक संख्या, उनकी सीमाएं और आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

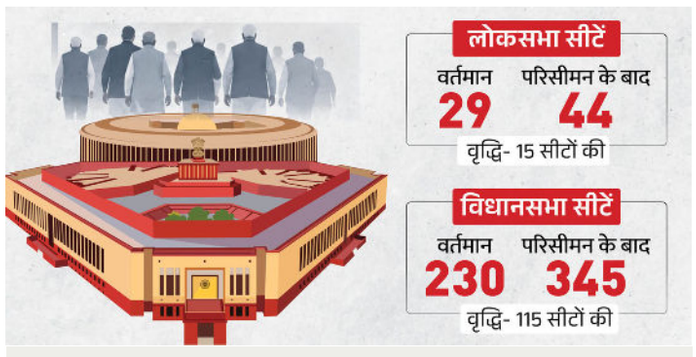

महिलाओं के लिए खुलेंगे राजनीति के नए दरवाजे, करीब 115 सीटों पर आरक्षण का अनुमान

परिसीमन के प्रस्ताव के पीछे महिला आरक्षण को प्रभावी तरीके से लागू करने की मंशा भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रस्तावित 345 विधानसभा सीटों में 33 प्रतिशत आरक्षण के हिसाब से करीब 115 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। इसी तरह लोकसभा की संभावित 44 सीटों में लगभग 15 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होने का अनुमान है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था भी शामिल होगी। हालांकि, किन क्षेत्रों को महिला आरक्षित घोषित किया जाएगा, इसका निर्धारण परिसीमन की प्रक्रिया के दौरान ही होगा। इस व्यवस्था से प्रदेश की राजनीति में महिला उम्मीदवारों की संख्या बढ़ेगी। राजनीतिक दलों को नए महिला नेतृत्व को तैयार करने और उन्हें चुनावी मैदान में उतारने की रणनीति बनानी होगी।

कांग्रेस बोली-प्रारूप आने के बाद ही प्रतिक्रिया उचित

कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक का कहना है कि अभी उन्होंने विधेयक की संक्षिप्तिका नहीं पढ़ी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि किस राज्य में कितनी सीटें बढ़ेंगी। परिसीमन में सबसे महत्वपूर्ण विषय भौगोलिक वर्गीकरण का होगा। यह देखना होगा कि कौन-सा क्षेत्र किस विधानसभा से अलग होकर नया निर्वाचन क्षेत्र बनेगा और वहां आबादी का अनुपात क्या रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रारूप सामने आने के बाद ही इस पर प्रतिक्रिया देना उचित होगा। फिलहाल कोई भी प्रतिक्रिया काल्पनिक होगी।

भोपाल-इंदौर से लेकर ग्वालियर-जबलपुर तक बदलेगा गणित

सीटों में संभावित बढ़ोतरी का सबसे दिलचस्प असर प्रदेश के बड़े शहरों में देखने को मिल सकता है। भोपाल में गोविंदपुरा, हुजूर, नरेला और भोपाल मध्य जैसे विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव संभव है। इसी तरह इंदौर में इंदौर-1 से इंदौर-5, राऊ और सांवेर जैसे क्षेत्रों का नए सिरे से पुनर्गठन हो सकता है। जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में भी आबादी और भौगोलिक स्थिति के आधार पर नए निर्वाचन क्षेत्र बनाए जा सकते हैं। फिलहाल कई विधानसभा क्षेत्रों में बड़े शहरी इलाकों के साथ दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं। परिसीमन के बाद छोटे निर्वाचन क्षेत्र बनने से स्थानीय मुद्दों और क्षेत्रीय नेताओं का महत्व बढ़ सकता है। इस बदलाव का सबसे बड़ा राजनीतिक असर यह होगा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों को नए क्षेत्रों के हिसाब से उम्मीदवारों का चयन करना पड़ेगा। पुराने नेताओं के बीच भी टिकट को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है।

भाजपा बोली- पार्टी व्यक्ति नहीं, कार्यकर्ता आधारित है: भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी बृज गोपाल लोया का कहना है कि परिसीमन और महिला आरक्षण को एक साथ लागू करना ऐतिहासिक कदम है। इससे महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से प्रभावी प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। सभी राज्यों में 50 प्रतिशत तक सीटें बढ़ाने से क्षेत्रीय असंतुलन की आशंका भी दूर होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा व्यक्ति आधारित नहीं, बल्कि विचार और कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। इसलिए मौजूदा सांसदों और विधायकों के क्षेत्रों में बदलाव से पार्टी को कोई असुविधा नहीं होगी।

भाजपा-कांग्रेस में टिकट के लिए मचेगी नई खींचतान!

सीटों की संख्या बढ़ने का सबसे ज्यादा असर भाजपा और कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों पर पड़ सकता है। नए निर्वाचन क्षेत्र बनने से टिकट के दावेदारों की संख्या बढ़ेगी। जिन नेताओं को मौजूदा क्षेत्रों में टिकट नहीं मिल पाता, उनके लिए नए क्षेत्र राजनीतिक अवसर बन सकते हैं। दूसरी ओर मौजूदा सांसदों और विधायकों के सामने भी अपने राजनीतिक प्रभाव को नए क्षेत्रों में बनाए रखने की चुनौती होगी। किसी क्षेत्र का भूगोल बदलने से पुराने समर्थकों और मतदाताओं का आधार भी प्रभावित हो सकता है।

'मालव चंद्रिका' उपाधि से अलंकृत

श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया महासती डॉ. कुमुदलता जी महाराज का 56वां जन्मोत्सव





मृदुभाषी। इन्दौर

महावीर भवन, इन्दौर में शनिवार को महासती डॉ. कुमुदलता जी महाराज का 56वां जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं के बीच पूरा सभागार गुरु गुणगान, मंगलाचरण और जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान अरिष्टनेमिनाथ के मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान से हुई, जिसके बाद श्रीमती तारादेवी, श्री महावीर-नमिता नाबरिया, पारस-शीतल नाबरिया, तनय, साहिल, जैनम और कनिका ने कलश स्थापना की। श्रुत बहु मंडल ने मंगलाचरण और स्वागत गीत प्रस्तुत कर गुरुमाँ का आत्मीय स्वागत किया।

इस मौके पर श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट, महावीर भवन इन्दौर की ओर से महासती डॉ. कुमुदलता जी महाराज को 'मालव चंद्रिका' की उपाधि से अलंकृत किया गया तथा संघ की ओर से महासती मंडल को आदर की चादर भेंट की गई। चादर भेंट करने वालों में अचल चौधरी, डीपीन जैन, प्रकाश भटेवरा, जिनेश्वर जैन, हेमन्त बोहरा, अशोक मंडलिक, हनुमान पोरवाल, अशोक भटेवरा, महावीर जैन, दिलीप जैन, रेणु जैन, दीपक भटेवरा, स्वप्निल संचेती, गर्विंत बोड़ाना, रोहित जेलमी और श्राविका संघ की बहनें शामिल रहीं। इसके अलावा स्थानकवासी जैन युवक संघ ने भी दीपक जैन टीनू के नेतृत्व में चादर भेंट की। समारोह में इन्दौर की जनता की ओर से कैबिनेट मंत्री कैलाश जी विजयवर्गीय ने आभार व्यक्त करते हुए गुरुमाँ को जन्मदिन की बधाई दी, जबकि ग्वालियर के विधायक पंकज जी उपाध्याय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। डीपीन जैन, सुनीता छजलानी, रेणु जैन, रंजीता जैन, कमलेश मारू, अशोक मंडलिक और प्रकाश भटेवरा ने अपने विचार रखते हुए शुभकामनाएं दीं। जैनम जैन नाबरिया ने कविता पाठ किया तथा महासती पदम कीर्ति जी महाराज और राज कीर्ति जी महाराज ने भी अपने भाव व्यक्त किए। अपने आशीर्वचन में महासती डॉ. कुमुदलता जी महाराज ने कहा कि जन्म दिवस मनाना केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्म निरीक्षण का दिन है और बीते एक वर्ष में धर्म में लगाए गए समय की समीक्षा ही सच्ची समीक्षा है। उन्होंने कहा कि अनुष्ठान ही आत्मा का स्नान है, जैसे शरीर को स्वच्छ करने के लिए जल की आवश्यकता होती है, वैसे ही आत्मा की शुद्धि के लिए अनुष्ठान आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि ग्रह नहीं, कर्म ही भाग्य बनाता है, इसलिए घर को ही मंदिर बनाएं, माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा मानें और बच्चों को धन के बजाय संस्कार दें। मालव की धरती से मिले प्रेम, आदर और 'मालव चंद्रिका' सम्मान के लिए उन्होंने समस्त संघ व श्रावक समाज के प्रति आभार जताते हुए सभी के धर्म में दृढ़ रहने की कामना की। अंत में महावीर नाबरिया ने आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का संचालन जिनेश्वर जैन ने किया।

महिला प्रहरी से दुष्कर्म के आरोप में प्रशासनिक जेलर हिरासत में

मृदुभाषी। भोपाल



भोपाल केंद्रीय जेल के प्रशासनिक जेलर मगनू सिंह मरावी के खिलाफ गांधी नगर थाने में एक महिला जेल प्रहरी ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी देर रात केंद्रीय जेल परिसर के अंदर ही उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

गांधीनगर पुलिस ने शनिवार सुबह दुष्कर्म का केस दर्ज कर जेलन मगनू सिंह को हिरासत में ले लिया है। एडीसीपी जोन-4 आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि अधेड़ उम्र की महिला जेल प्रहरी ने पुलिस को बताया कि रात दस बजे से दोपहर दो बजे तक उसकी ड्यूटी रहती थी। बीती रात वह ड्यूटी पर आई तो जेलर मगनू सिंह ने उसे मिलने बुलाया। इसके बाद टपरी के पास बाथरूम में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने देर रात ही अपनी बेटी के साथ गांधी नगर थाने पहुंचकर शिकायत की। जांच के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। महिला का आरोप है कि दुष्कर्म करने की नीयत से ही जेलर लंबे समय से मेरी ड्यूटी रात में लगवाते आ रहे हैं। पीड़िता जेल परिसर में ही परिवार के साथ रहती है।

नवोदय प्रवेश परीक्षा के केंद्रों को लेकर भारी गफलत, भटकते रहे अभिभावक व विद्यार्थी

मृदुभाषी। सीहोर

जवाहर नवोदय विद्यालय श्यामपुर में प्रवेश के लिए शनिवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के नाम और डाइस कोड को लेकर भारी गफलत की स्थिति बन गई।

प्रवेश पत्रों में अस्पष्ट जानकारी के कारण सैकड़ों अभिभावक अपने बच्चों को लेकर सुबह से ही एक स्कूल से दूसरे स्कूल तक भटकते रहे, जिससे कई विद्यार्थी देरी से केंद्रों पर पहुंच सके। इस अव्यवस्था को लेकर अभिभावकों ने नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद अधिकारियों से उनकी तीखी बहस भी हुई। जिलेभर के दो हजार से अधिक विद्यार्थियों के लिए मुख्यालय के विभिन्न हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा सुबह 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित थी और विद्यार्थियों को सुबह 10:30 बजे तक केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। समय पर पहुंचने के लिए कई अभिभावक सुबह छह बजे ही बच्चों को लेकर सीहोर पहुंच गए थे। अधिकांश अभिभावक सबसे पहले इंदौर-भोपाल बायपास स्थित सांदीपनि विद्यालय पहुंचे, जहां उन्हें परीक्षा आयोजित न होने की जानकारी दी गई। इसके बाद अभिभावक बच्चों के साथ सांदीपनि स्कूल क्रमांक-1 हायर सेकंडरी स्कूल पहुंचे, लेकिन वहां से भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। लगातार भटकने के बाद जब वे मंडी क्षेत्र स्थित सांदीपनि मनुबेन स्कूल पहुंचे, तब जाकर वास्तविक परीक्षा केंद्र का पता चल सका। इस भागदौड़ में बच्चों का कीमती समय बर्बाद हुआ और परीक्षा छूटने की आशंका से विद्यार्थी व अभिभावक खासे परेशान नजर आए।



पांचवी तक के पांच में से चार बच्चे पढ़ाई में कमजोर

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई का स्तर चिंता बढ़ाने वाला है। राज्य शिक्षा केंद्र के आकलन में सामने आया है कि प्रदेश के करीब 80 प्रतिशत बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप दक्षता हासिल नहीं कर पाए हैं। यानी पांच में से केवल एक बच्चा ही अपनी कक्षा के स्तर पर पाया गया। इस कमजोर शैक्षणिक स्थिति को सुधारने के लिए अब शिक्षा विभाग ने 90 दिन का विशेष पुनर्बलन अभियान शुरू किया है। इसमें कक्षा 2 से 5 तक के बच्चों को हिंदी, अंग्रेजी और गणित में बुनियादी दक्षताएं सिखाई जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसके लिए 73 पेज की विस्तृत शिक्षण सामग्री और अलग-अलग विषयों के मॉड्यूल जारी किए हैं। शिक्षकों को बच्चों के मौजूदा स्तर के अनुसार समूह बनाने, खेल-खेल में पढ़ाने और नियमित अभ्यास कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रख्यात वक्ताओं के संग सजेगा वैचारिक मंच

अभ्यास मंडल की व्याख्यानमाला के निमंत्रण पत्र व पोस्टर का विमोचन

मृदुभाषी। इंदौर



शहर की प्रतिष्ठित वैचारिक संस्था अभ्यास मंडल की 67वीं शीतकालीन व्याख्यानमाला के निमंत्रण पत्र और पोस्टर का विमोचन इंदौर प्रेस क्लब हॉल में आयोजित समारोह में हुआ। मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति शांतनु केमकर ने इनका विमोचन किया।

इस अवसर पर केमकर ने संस्था के वैचारिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज में स्वस्थ संवाद और सार्थक विमर्श की परंपरा को जीवित रखने में ऐसी व्याख्यानमालाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नर्मदा जल इंदौर लाने में संस्था के योगदान को याद किया और शहर की यातायात समस्या व जल संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि नागरिकों को स्वच्छता अभियान की तरह ही जल संरक्षण और यातायात सुधार में भी जागरूकता दिखानी होगी। संस्था अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता ने आयोजन की रूपरेखा रखी और प्रबुद्धजनों व युवाओं से सहभागिता का आह्वान किया। संचालन वैशाली खरे ने किया। छह दिवसीय व्याख्यानमाला 5 से 10 दिसंबर तक इंदौर प्रेस क्लब में होगी। इसमें 5 दिसंबर को सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी 'न्यायपालिका और जनविश्वास', 6 दिसंबर को डॉ. जवाहर कर्नावट 'भारतीय संस्कृति और भाषाओं का वैश्विक स्वरूप', 7 दिसंबर को पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना 'जीवन जीने की शैली', 8 दिसंबर को डॉ. रागिनी नायक 'महिला आरक्षण की राह और चुनौतियां' तथा 9 दिसंबर को हेमंत मुक्तिबोध 'भारत पर औपनिवेशिक मानसिकता के प्रभाव, परिणाम और उनसे मुक्ति के भारतीय प्रयास' विषय पर विचार रखेंगे। 10 दिसंबर को समापन सत्र में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर 'सक्रिय सामाजिक जीवन में युवाओं की भागीदारी' पर संबोधित करेंगे। उद्घाटन सत्र शाम 5:30 से 6:30 बजे तक और शेष सत्र शाम 6 बजे से होंगे।



सम्पादकीय

खाद्य पदार्थों पर चीनी और नमक-वसा की चेतावनी

भारत तेजी से मधुमेह, मोटापे और उच्च रक्तचाप के मरीजों की राजधानी बन रहा है। घर के स्वास्थ्यवर्धक खाने को तिलांजलि देकर चटपटा खाने का जुनून युवा पीढ़ी ही नहीं, पुरानी पीढ़ियों में भी नजर आ रहा है। दरअसल, चीनी व यूरोपीय शैली के खाद्य पदार्थों में तीखे नमक, चीनी तथा अधिक वसा के इस्तेमाल से चटपटे व्यंजन बनाने का जुनून आज भारतीयों के सिर चढ़कर बोल रहा है। खासकर बच्चे व नयी पीढ़ी के युवा इसके दीवाने हैं। लोक कल्याण का दम भरने वाली सरकारों की जन-स्वास्थ्य के प्रति अनदेखी के चलते जीवन शैली के तमाम रोग पनप रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी लेबल लगाने के निर्देश देने पड़े हैं। निस्संदेह, देश मे बढ़ते जन-स्वास्थ्य संकट के बीच कोर्ट की यह सार्थक पहल है। अदालत ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई को निर्देश दिया है कि जिन भी उत्पादों में चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक हो, उन पर अलग से लाल रंग की चेतावनी लगायी जाए। ऐसा करके कोर्ट ने कंपनियों की सुविधा के बजाय उपभोक्ताओं के 'जानने के अधिकार' को प्राथमिकता दी है। लेकिन एक बात तो साफ है कि नियामक संस्था खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण अपने दायित्वों के निर्वहन में नाकाम रही है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा है। जन स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक मात्रा में चीनी, नमक व वसा का मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में होने के बावजूद एफएसएसएआई कई अलग-अलग प्रस्तावों के बीच उलझा रहा। इसमें स्टार 'रेटिंग सिस्टम' भी शामिल रहा है। जिसको लेकर विषय विशेषज्ञों की राय थी कि 'स्टार रेटिंग सिस्टम' से उपभोक्ताओं को स्वास्थ्य जोखिम के प्रति सचेत करने के बजाय, उनमें चयन को लेकर भ्रम बढ़ सकता है। सही मायने में ऐसे किसी निर्देश में स्पष्टता होनी बेहद जरूरी है।

विडंबना है कि देश में अत्यधिक प्रोसेस्ड यानी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत में भारी वृद्धि हुई है। इस तथ्य के बावजूद कि देश आज तमाम गैर-संचारी रोगों की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। फलतः भारत में मधुमेह, हाइपरटेंशन और मोटापे से करोड़ों लोग प्रभावित हुए हैं। ये रोग जीवनशैली की विसंगतियों से पैदा हुए हैं। विडंबना है कि सीधे खाने के लिये तैयार खाद्य पदार्थों, मीठे पेय पदार्थों और डिब्बाबंद स्नैक्स के लिये बेहद आक्रामक मार्केटिंग के जरिये बच्चों व युवाओं को लुभाया गया। फलतः जन-स्वास्थ्य के लिये एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में लाल चेतावनी चिन्ह लगाने का निर्देश समय की सख्त जरूरत है। इससे कंपनियां छोटे अक्षरों की आड़ में पोषण संबंधी जोखिमों को छिपा नहीं सकतीं। लाल चेतावनी पर उपभोक्ताओं का सीधा ध्यान जाएगा। रोजमर्रा के खान-पान की चीजों को चुनते समय, लोगों को जटिल पोषण तालिकाओं को समझने के लिये किसी विशेष ज्ञान या अतिरिक्त समय की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। वहीं जन-स्वास्थ्य की कीमत पर उद्योग जगत को मुनाफे की अनुमति नहीं दी जा सकती है। एफएसएसएआई को चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट के लिये वैज्ञानिक आधार पर तार्किक सीमाएं तय करनी चाहिए। उसे उद्योग जगत की तरफ से आने वाले किसी भी दबाव का सामना करना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। इसके अलावा निर्माताओं को छूट का फायदा उठाने, चेतावनियों को कमजोर करने या हानिकारक तत्वों की जगह वैकल्पिक संदिग्ध पदार्थों के इस्तेमाल की किसी भी सूरत में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। खासकर बच्चों को लुभाने के लिये दिए जाने वाले विज्ञापनों में किए जाने वाले दावों की बारीकी से जांच होनी चाहिए।

नई दृष्टि दे सकते हैं राजनीतिक-ऐतिहासिक प्रसंग

विश्वनाथ सचदेव

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की बहुचर्चित आत्मकथा 'बिलोंगिंग : अ जर्नी ऑफ लव' को मैं भी अभी तक पूरा नहीं पढ़ पाया हूं। ऐसा नहीं है कि मैं हमारे समय के एक बड़े और महत्वपूर्ण कालखंड को समेटने वाली इस पुस्तक को पढ़ना नहीं चाहता। दरअसल, जिस तेज़ी से देश-विदेश में लगभग साढ़े पांच सौ पृष्ठों की यह किताब पढ़ी गई और जिस तरह इसे लेकर विवादों और वाद-विवाद का दौर चला, उससे ऐसा लगता है कि शायद ही इसकी कोई महत्वपूर्ण बात बची हो, जो जनता की जानकारी में न आई हो। टुकड़ों-टुकड़ों में इसके विभिन्न अंशों को समझने-समझाने की जितनी कोशिशें हुईं, उसके बाद यही आभास होता है।

परंतु वास्तविकता ऐसी नहीं है। निश्चित रूप से सोनिया गांधी की यह संस्मरणात्मक आत्मकथा एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। यह मात्र सोनिया गांधी की कहानी नहीं है, बल्कि उस परिवार की गाथा भी है, जिसने हमारी आज़ादी की लड़ाई में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई और स्वतंत्रता के बाद देश के निर्माण में भी जिसकी निर्णायक भूमिका रही। इसमें निश्चित रूप से बहुत कुछ ऐसा होगा, जो हमारे लिए अनजाना है और जिसे हमें जानना चाहिए। इस सबके लिए इस पुस्तक को पढ़ना आवश्यक है और मैं भी इसे ज़रूर पढ़ूंगा। लेकिन, इस पुस्तक को पढ़ने वाले बहुत से पाठक जिस तरह के मुद्दों को चर्चा का विषय बना रहे हैं, वह थोड़ा चौंकाने वाला है। ऐसा ही एक मुद्दा सोनिया गांधी के अपने पति राजीव गांधी की गोद में बैठकर खाना खाने का है। सोनिया ने अपनी किताब में इसके बारे में कुछ भी नहीं लिखा है; यह प्रसंग तो पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर राहुल गांधी ने बड़ी ही मासूमियत के साथ साझा किया था। इसे उसी मासूमियत के साथ समझने की



कोशिश होनी चाहिए थी, पर जो कुछ होते हुए दिख रहा है, वह किसी भी प्रकार से आश्वस्त करने वाला नहीं है। ऐसा लग रहा है मानो साढ़े पांच सौ पृष्ठों की किताब से मिलने वाली जानकारी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण राहुल गांधी द्वारा दी गई यह एक जानकारी बन गई है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के आलोचकों के हाथ जैसे कोई ख़ज़ाना लग गया हो। सोनिया गांधी ने इसे 'अ जर्नी ऑफ लव' (प्यार की यात्रा) नाम दिया है, लेकिन लोग उनकी इस पूरी यात्रा को राहुल गांधी के एक वाक्य के चश्मे से देखने में लगे हैं।

मैंने इस पुस्तक के बारे में जितना भी पढ़ा और जाना है, उससे इतना तो स्पष्ट हो ही जाता है कि इसमें बहुत कुछ ऐसा है, जिस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। यह केवल एक महिला के संस्मरणों का गुलदस्ता नहीं है, बल्कि देश के एक ऐसे परिवार की कथा है, जिसने समाज और राष्ट्र को बहुत कुछ दिया है। चर्चा इस बात पर होनी चाहिए कि इस योगदान ने देश को कैसे और कितना प्रभावित किया। पुस्तक के राजनीतिक और ऐतिहासिक प्रसंग हमारे समय के इतिहास को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं। आपातकाल, ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के सिख दंगों जैसे संवेदनशील विषयों पर गांधी परिवार के पक्ष को समझने में सोनिया गांधी की जानकारियां और टिप्पणियां सहायक हो सकती हैं। यदि यह गांधी परिवार के बचाव की कोशिश भी है—जैसा कि कांग्रेस के विरोधी कह रहे हैं—तब भी इस पक्ष को समझना ज़रूरी है। सोनिया गांधी ने स्वयं कहा है कि अपने परिवार के बारे में फैली कई अवास्तविक और मिथ्या बातों का खंडन करने के लिए उन्होंने यह संस्मरण लिखा है।

चर्चा इस बात पर होनी चाहिए कि सात समंदर पार करके अपने प्रियतम के देश आने के लिए इटली की एक युवती ने अपने आप से और अपने आसपास के माहौल से कितना और कैसा संघर्ष किया। एक बिल्कुल अलग समाज और वातावरण में पली-बढ़ी युवती कैसे एक भारतीय बहू बन गई, यह समझना उससे जुड़े कई सवालों का जवाब बन सकता है। इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि एक नए देश को अपना बनाना, अपने स्वभाव के विपरीत जाकर सार्वजनिक जीवन को अपनाना तथा एक परिवार, समाज और राजनीतिक पार्टी को संभालना किसी भी व्यक्ति के लिए सहज नहीं हो सकता। पुस्तक के कई पाठकों का मानना है कि सोनिया गांधी की रीति-नीति से असहमति के बावजूद, इसमें दी गई जानकारी समय और समाज को समझने में बेहद मददगार है। इस बात की भी चर्चा होनी चाहिए कि प्रधानमंत्री पद को ठुकराकर और कांग्रेस पार्टी को बचाने की कवायद में सोनिया गांधी ने क्या उदाहरण प्रस्तुत किया।

पर दुर्भाग्य से, इन गंभीर विषयों पर विमर्श होने के बजाय हल्के-फुल्के प्रसंगों पर जिस प्रकार चटखारे लिए जा रहे हैं।

धर्म-ज्योतिष

वास्तु शास्त्र के आसान उपाय रोकेंगे आर्थिक नुकसान, परिवार में कलह

घर का मतलब सिर्फ दरवाजों, दीवारों और खिड़कियों से नहीं होता है। बल्कि यह एक ऐसा स्थान है, जो दिनभर के काम के बाद शांति, आराम और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है। घर लौटना ऐसा है, जैसे मां के गले लगना। घर एक ऐसी जगह है, जहां पर हम सुकून और शांति के साथ आराम कर सकें, तरोताजा हो सके और किसी भी तरह के तनाव से दूर रह सकें। इसलिए घर को संतुलित, सकारात्मकता और पूरी सेहत को बढ़ावा देने के लिए बनाया जाता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर का मुख्य द्वारा एक अच्छा माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर घर में नकारात्मकता बढ़ जाए, तो इसका प्रभाव घर-परिवार के माहौल और तरक्की पर भी पड़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर में नकारात्मक ऊर्जा पहचान करने के तरीके और पॉजिटिविटी बनाए रखने के सरल वास्तु उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। यह वास्तु शास्त्र का एक और जरूरी नियम है। 9 जोन का बैलेंस, जिनमें 8 दिशाएं और बीच की जगह, जिसको ब्रह्मस्थान कहा जाता है, वह शामिल हैं।



समसामयिक

संकट दूर करने को जवाबदेही व जिम्मेदारी तय हो

आंखों में जलन और गले में खराश अब उत्तर भारत की सालाना नियति बन गई हैं। सुबह खिड़की खोलते ही गुनगुनी धूप के बजाय जब स्मॉग की धुंधली चादर स्वागत करे और खुली हवा में सांस लेना भारी पड़ने लगे, तो समझ लीजिए कि वही जाना-पहचाना संकट फिर लौट आया है। यह महज मौसम का बदलना नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के सामने खड़ा एक गंभीर आपातकाल है। हर साल की तरह सवाल फिर वही है कि आखिर हमारी हवा इतनी जहरीली क्यों हो रही है और इसकी जवाबदेही किसकी है?

प्रदूषण की चर्चा शुरू होते ही सबसे पहले उंगली पराली जलाने पर उठती है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब और हरियाणा में धान की कटाई के बाद खेतों में लगाई जाने वाली आग से उठता धुआं और सूक्ष्म कण हवा को तेजी से बिगाड़ते हैं। लेकिन इस पूरे संकट का ठीकरा केवल किसानों के सिर फोड़ना न तो न्यायसंगत है और न ही व्यावहारिक। अगली फसल की बुआई



के लिए समय की कमी, मशीनों का भारी खर्च और विकल्पों का अभाव किसान की अपनी मजबूरियां हैं। उसे भरोसेमंद और सस्ता विकल्प दिए बिना केवल जुर्माने या सख्ती से बात नहीं बनेगी। सरकारों को मशीनों की उपलब्धता, किराये में सीधी मदद और पराली के औद्योगिक इस्तेमाल का ठोस तंत्र खड़ा करना होगा।

दूसरी तरफ, प्रदूषण को केवल खेतों तक सीमित करके देखना समस्या के बड़े हिस्से से आंख मूंदना है। शहरों की सड़कों पर रेंगते वाहनों का धुआं, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल और खुले में जलता कचरा साल भर हवा में जहर घोलते हैं। टूटी सड़कों की गर्द, सिमटती हरियाली और अनियंत्रित शहरीकरण ने भी इस समस्या को और जटिल बना दिया है। नियमों की अनदेखी और लचर निगरानी ने शहरों को गैस चैंबर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

विडंबना यह है कि जब सांस लेना दूभर हो रहा है, तब राजनीतिक दल आरोप-प्रत्यारोप के पुराने खेल में उलझे हैं। कोई पराली को कोसता है, कोई पड़ोसी राज्य की सरकार पर निशाना साधता है तो कोई केंद्र की नीतियों को कठघरे में खड़ा करता है। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, पर हवा किसी राज्य की सीमा या सियासी दल का झंडा देखकर नहीं बहती। आम आदमी को इस बहस से कोई सरोकार नहीं कि किसने किस पर क्या आरोप लगाया। उसे तो बस साफ हवा चाहिए। इसके लिए पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और केंद्र को एक मेज पर बैठकर साझा कार्ययोजना बनानी ही होगी। सर्दियों में हवा की रफ्तार थमने और तापमान गिरने से प्रदूषक जमीन के करीब ही ठहर जाते हैं।

व्यापार

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच तीसरी तिमाही में विकास की रफ्तार बनाए रखने को तैयार भारतीय अर्थव्यवस्था

मृदुभाषी। नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (Q3 FY27) में अपनी विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) द्वारा जारी नवंबर 2026 की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार टैक्स कलेक्शन, माल ढुलाई, ऊर्जा खपत और वस्तुओं की आवाजाही जैसे प्रमुख हाई-फ्रीक्वेंसी संकेतक लगातार विस्तार का संकेत दे रहे हैं, हालांकि त्योहारी और शादियों के सीजन के कारण आने वाले महीनों में खुदरा महंगाई में तेजी का जोखिम भी बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक नए ऑर्डरों में



तेजी और इनपुट लागत के दबाव में कमी के चलते कारोबारी गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं तथा शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपभोग मांग अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। वाहनों की बिक्री में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है और ग्रामीण खर्च में मजबूती बनी हुई है। रबी सीजन के लिए उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, हालांकि बुवाई अभी शुरुआती दौर में है और जलाशयों का जलस्तर पिछले साल की तुलना में कम है। उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग मोर्चे पर भी सकारात्मक आंकड़े सामने आए हैं, जहां सितंबर में औद्योगिक उत्पादन (IIP) 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मुख्य चालक रहा, जबकि अक्टूबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई (PMI) मामूली धीमी होने के बावजूद विस्तार क्षेत्र में बनी रही। वहीं अक्टूबर 2026 में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के सूचकांक में सालाना आधार पर 10.9 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई, जिससे अप्रैल-अक्टूबर अवधि की संचयी वृद्धि 6.0 प्रतिशत पर पहुंच गई। उद्योग और बुनियादी ढांचे को दिए जाने वाले बैंक ऋण और इस्पात की खपत में बढ़ोतरी के साथ सरकार क्रिटिकल मिनरल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, एनर्जी स्टोरेज और कंटेनर निर्माण में क्षमता विस्तार पर जोर दे रही है। दूसरी ओर, अक्टूबर 2026 में खुदरा महंगाई 55 आधार अंक बढ़कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिससे यह दो साल में पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 6 प्रतिशत के ऊपरी दायरे को पार कर गई। इस उछाल की मुख्य वजह खाद्य कीमतों में तेजी और प्रतिकूल बेस इफेक्ट रहा, हालांकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) बास्केट की आधी से अधिक वस्तुओं में महंगाई अभी भी 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे है। नवंबर तक खिंचे त्योहारी सीजन और शादियों के सीजन की शुरुआत के कारण मांग बढ़ने से आने वाले महीनों में महंगाई पर दबाव रह सकता है, जबकि विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने 2026 के अंत तक एक अत्यधिक मजबूत 'अल नीनो' के चरम पर पहुंचने की चेतावनी दी है, हालांकि 0.8 डिग्री सेल्सियस पर स्थित इंडियन ओशन डिपोल (IOD) इंडेक्स इसके असर को काफी हद तक संतुलित कर सकता है। राहत की बात यह है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है और शुरुआती नवंबर में इसके बेंचमार्क 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गए हैं, वहीं विदेशी पूंजी प्रवाह के दम पर रुपये में मजबूती आने से आयातित महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा बाहरी क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अक्टूबर 2026 में देश का वस्तु निर्यात 45 प्रतिशत की भारी उछाल के साथ 49.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे उच्चतम मासिक स्तर है।

वाणिज्य सचिव की निर्यातकों से अपील

मृदुभाषी। नई दिल्ली



वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने निर्यातकों से उन देशों में विशेष अवसरों की पहचान करने की अपील की है, जहां भारत ने मुक्त व्यापार समझौते लागू किए हैं।

जयपुर में 27 नवंबर को आयोजित एक आउटरीच कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विदेशी आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को मुक्त व्यापार समझौतों से मिलने वाले अवसरों से परिचित कराना था, ताकि वैश्विक बाजारों तक पहुंच को अधिक आसान बनाया जा सके। भारत ने ओमान, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ब्लॉक जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते लागू किए हैं। इन समझौतों से पिछले साढ़े चार वर्षों में भारत की वैश्विक बाजार तक पहुंच साठ अरब डॉलर बढ़ी है, जिससे कुल पहुंच लगभग सत्तर अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जबकि कुछ साल पहले तक यह लगभग दस अरब डॉलर के बराबर थी। आगामी डेढ़ वर्ष में यह दायरा बढ़कर लगभग पचासी अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग छिहत्तर फीसदी हिस्सा होगा।

पुराने आईफोन यूजर्स के लिए अलर्ट

एक वेबसाइट खोलते ही हो सकता है हैकिंग का खतरा

नई दिल्ली। पुराने आईफोन इस्तेमाल करने वालों के लिए साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि डिवाइस पुराने सॉफ्टवेयर पर चल रहा है, तो सिर्फ एक वेबसाइट खोलते ही फोन हैक होने का जोखिम पैदा हो सकता है। टेलीग्राम के CEO पावेल डुरोव ने X पर पोस्ट कर आईफोन यूजर्स को इस खतरे के प्रति आगाह किया है और तुरंत फोन को लेटेस्ट iOS वर्जन पर अपडेट करने की सलाह दी है। डुरोव के अनुसार, पुराने सॉफ्टवेयर पर चल



रहे आईफोन हैकर्स के आसान निशाने बन सकते हैं, जिससे यूजर्स की निजी जानकारी और अकाउंट्स पर खतरा मंडरा सकता है। संभावित जोखिम को देखते हुए टेलीग्राम की ओर से भी पुराने iOS वर्जन वाले यूजर्स को अलर्ट मैसेज भेजे जा रहे हैं। एपल नियमित अंतराल पर आईफोन के लिए नए अपडेट जारी करता है, जिनसे पिछली सुरक्षा खामियां दूर होती हैं और डिवाइस में सेंधमारी की आशंका कम होती है। हालांकि, डुरोव की पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन-से विशिष्ट iOS वर्जन खतरे में हैं, खामियों का कारण क्या है या इसके पीछे कौन-सा स्पायवेयर अथवा हैकिंग ग्रुप सक्रिय है। साइबर जोखिमों को देखते हुए आईफोन यूजर्स को नियमित रूप से सॉफ्टवेयर अपडेट जांचते रहने और सपोर्ट के अनुसार नया iOS वर्जन उपलब्ध होते ही उसे इंस्टॉल करने की सलाह दी जा रही है।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा लुढ़का

मृदुभाषी। नई दिल्ली

दो दिन की मजबूत तेजी के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आए। प्रमुख आईटी शेयरों और एचडीएफसी बैंक में मुनाफावसूली के कारण यह गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 339 अंक गिरकर 83,958.53 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.10 अंक गिरकर 25,812.35 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में सुधार और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त धारणा के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे गिरकर 92.62 पर आ गया।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व प्रमुख पिछड़ने

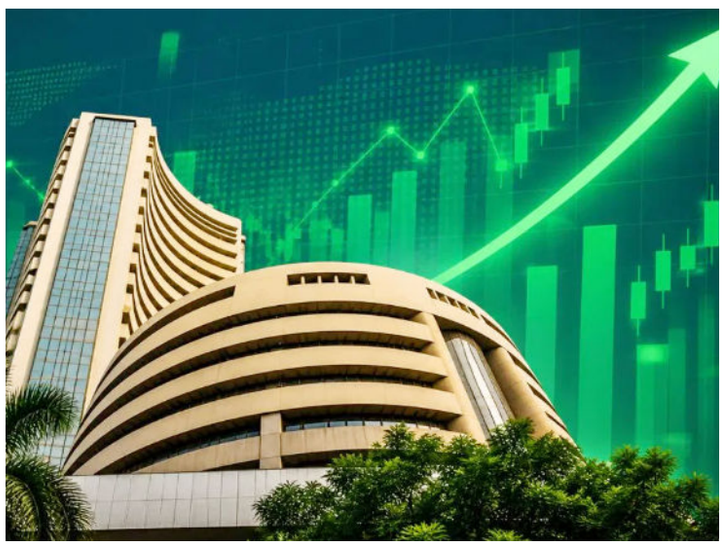

वाले शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर, टाइटन, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर ग्रिड बढ़त वाले शेयरों में शामिल रहे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 96.50 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बाजार में दो दिन की लगातार तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की। खासकर प्रमुख आईटी शेयरों और एचडीएफसी बैंक में बिकवाली का दबाव देखा गया। गुरुवार को सेंसेक्स 390.31 अंक या 0.46 फीसदी चढ़कर 84,328.59 पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 65.25 अंक या 0.25 फीसदी बढ़कर 25,884.50 पर समाप्त हुआ था। इस तेजी के बाद निवेशकों ने अपने लाभ को भुनाना उचित समझा। कमोडिटी बाजार में डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल की ओर अपनी बढ़त जारी रखे हुए है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि मध्य पूर्व में नए भू-राजनीतिक तनाव से आपूर्ति संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं। इन चिंताओं के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। वैश्विक स्तर पर तेल की बढ़ती कीमतें भी बाजार के रुझान को प्रभावित कर सकती हैं।



वेल्डिंग जॉइंट खुलने से खेतों में भरा पानी, हजारों लीटर सिंचाई जल बहकर हुआ बर्बाद

नर्मदा सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन फूटी, 30 फीट फव्वारा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। नर्मदा सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गंधवानी विकासखंड की ग्राम पंचायत केली कला के डाकनखोदरी क्षेत्र में परियोजना की पाइपलाइन अचानक फूट गई। पाइपलाइन का वेल्डिंग जॉइंट खुलते ही तेज दबाव के साथ पानी का फव्वारा करीब 30 फीट ऊंचाई तक उठने लगा। पानी की तेज धार दूर से ही दिखाई दे रही थी। काफी देर तक लगातार पानी बहने के कारण आसपास के खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई। इससे खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, डाकनखोदरी क्षेत्र में नर्मदा सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन में वेल्डिंग किए गए जॉइंट के अचानक खुल जाने से पानी का तेज रिसाव शुरू हो गया। पाइपलाइन में पानी का दबाव इतना अधिक था कि जॉइंट से निकलती पानी की धार ने देखते ही देखते ऊंचे फव्वारे का रूप ले लिया। करीब 30 फीट तक पानी ऊपर उठने लगा। तेज बहाव के कारण आसपास पानी फैल गया और खेतों में जलभराव होने लगा। घटना के दौरान बड़ी मात्रा में सिंचाई का पानी व्यर्थ बहता रहा।

पाइपलाइन की गुणवत्ता पर उठे सवाल

पाइपलाइन फूटने की घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों ने परियोजना के निर्माण कार्य और उसमें किए गए वेल्डिंग की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सिंचाई जैसी महत्वपूर्ण परियोजना में पाइपलाइन के जोड़ मजबूत और तकनीकी मानकों के अनुरूप होना जरूरी है। इसके बावजूद वेल्डिंग जॉइंट खुलने से तेज दबाव में पानी बाहर निकलना निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी जांच की व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि पाइपलाइन के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह कमजोर वेल्डिंग की गई है तो भविष्य में दूसरी जगहों पर भी इस प्रकार की घटनाएं हो सकती हैं।

किसानों को फसल खराब होने की चिंता

पाइपलाइन से लगातार पानी बहने के कारण आसपास के खेतों में पानी भर गया है। किसानों की चिंता है कि खेतों में जरूरत से ज्यादा पानी जमा होने से खड़ी फसलों की जड़ों पर असर पड़ सकता है। पहले ही किसान सिंचाई और मौसम की अनिश्चितताओं के बीच खेती कर रहे हैं, ऐसे में इस तरह की घटनाएं उनकी परेशानी बढ़ा सकती हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर पानी का रिसाव बंद कराएं और खेतों में हुए जलभराव का जायजा लें।

तकनीकी जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से पाइपलाइन के फूटने की तकनीकी जांच कराने, वेल्डिंग जॉइंट की मजबूती की जांच करने और पूरे क्षेत्र में पाइपलाइन का निरीक्षण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल लीकेज बंद कर देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि जॉइंट किन कारणों से खुला।

यदि निर्माण या वेल्डिंग कार्य में लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। साथ ही परियोजना की पाइपलाइन की नियमित निगरानी और समय-समय पर तकनीकी परीक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

13 सांदीपनि आवासीय हॉस्टल बनेंगे 26 भवनों पर खर्च होंगे 100 करोड़

बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग छात्रावासों का होगा निर्माण, जिले के सभी 13 विकासखंडों में दो-दो भवन बनेंगे

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के सभी 13 विकासखंडों में सांदीपनि आवासीय हॉस्टल बनाए जाएंगे। योजना के अंतर्गत कुल 26 भवनों का निर्माण किया जाएगा, जिन पर करीब 100 करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रत्येक विकासखंड में दो-दो छात्रावास बनाए जाएंगे, जिनमें बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग आवासीय व्यवस्था रहेगी। शासन की इस पहल से दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण और सुरक्षित आवासीय सुविधा मिल सकेगी।

इस महत्वपूर्ण परियोजना के तहत जिले में सभी 13 विकासखंडों के लिए निर्माण स्थलों का चयन कर लिया गया है। प्रशासन ने संबंधित निर्माण एजेंसियों को कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं और निर्माण साइटों पर काम भी प्रारंभ हो गया है। परियोजना का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों को सुविधा उपलब्ध कराना है, जिन्हें गांव से दूर स्कूल या अन्य



शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। आवासीय हॉस्टल बनने से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए घर से लंबी दूरी तय करने की मजबूरी से राहत मिलेगी। साथ ही नियमित अध्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी भी बढ़ सकेगी।

बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग होगी व्यवस्था

योजना के तहत प्रत्येक विकासखंड में दो आवासीय भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें एक हॉस्टल बालकों और दूसरा बालिकाओं के लिए होगा। दोनों छात्रावासों में विद्यार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग आवासीय व्यवस्था विकसित की जाएगी। हॉस्टल परिसर में पर्याप्त कमरे, अध्ययन कक्ष, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, रसोईघर, खेल मैदान और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ रहने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेंगी।

गुणवत्ता और समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

निर्माण एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। हॉस्टल भवनों के निर्माण में तय मापदंडों और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया है। प्रशासन की ओर से निर्माण कार्यों की निगरानी भी की जाएगी, ताकि भवन तैयार होने के बाद विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सांदीपनि विद्यालयों की तर्ज पर विकसित होने वाले ये आवासीय हॉस्टल क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

जिले के कई ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में विद्यार्थियों के सामने स्कूल तक पहुंचने, आवागमन और आवास की समस्या रहती है। विशेषकर दूरस्थ अंचलों के बच्चों को पढ़ाई जारी रखने में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में 26 आवासीय भवनों का निर्माण होने से विद्यार्थियों को सुरक्षित और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। साथ ही उनके लिए नियमित पढ़ाई, अध्ययन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल होने के अवसर बढ़ेंगे। करीब 100 करोड़ रुपए की यह परियोजना जिले के जनजातीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकती है।

थाने से नदारद मिले टीआई निलंबित

गंधवानी थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना पर गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। गंधवानी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप खन्ना को गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। 27 नवंबर की रात शराब सेवन किए जाने की सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका मेडिकल परीक्षण कराने के निर्देश दिए थे। इस पर मनावर एसडीओपी जब जांच के लिए गंधवानी थाने पहुंचे तो थाना प्रभारी वहां मौजूद नहीं मिले।

जानकारी के अनुसार, 27 नवंबर को निरीक्षक प्रदीप खन्ना द्वारा शराब सेवन किए जाने की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को मिली थी। इसके बाद प्रभारी एसडीओपी मनावर रामसिंह राठौर को तत्काल गंधवानी पहुंचकर थाना प्रभारी का मेडिकल परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में एसडीओपी रात करीब 10:30 बजे गंधवानी थाने पहुंचे, लेकिन निरीक्षक खन्ना कार्यालय में उपस्थित नहीं मिले। थाने पर मौजूद पुलिसकर्मी भी उनके संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। इसके बाद एसडीओपी ने थाना प्रभारी के किराये के मकान



पर पहुंचकर तलाश की, लेकिन वहां भी वे नहीं मिले। मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क स्थापित नहीं हो सका। इस प्रकार निरीक्षक खन्ना बिना अनुमति थाना मुख्यालय और कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित पाए गए।

अपराध समीक्षा की वीडियो कॉन्फ्रेंस से भी रहे नदारद

मामले में एक और गंभीर लापरवाही सामने आई। 27 नवंबर की रात 11 से 12 बजे तक आयोजित साप्ताहिक अपराध समीक्षा की वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी निरीक्षक प्रदीप खन्ना शामिल नहीं हुए। जबकि कार्यालय की ओर से उन्हें बैठक में उपस्थित रहने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। एक ओर वरिष्ठ अधिकारी उनके मेडिकल परीक्षण के लिए तलाश कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर वे महत्वपूर्ण विभागीय बैठक से भी अनुपस्थित रहे। इसे वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना और अनुशासनहीनता का गंभीर मामला माना गया।

पुलिस रेग्युलेशन के तहत निलंबन की कार्रवाई

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनावर के प्रतिवेदन के आधार पर की गई कार्रवाई में निरीक्षक खन्ना के कृत्य को शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, कदाचरण और अनुशासनहीनता माना गया है। इसे मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 तथा मध्यप्रदेश पुलिस रेग्युलेशन के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए निलंबन आदेश जारी किया गया। आदेश के अनुसार, निरीक्षक प्रदीप खन्ना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र धार निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। साथ ही सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। उन्हें निर्धारित मुख्यालय पर नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित करनी होगी।

यात्रा से सामाजिक एकता का संदेश

डबरा-ग्वालियर। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर ग्वालियर ग्रामीण क्षेत्र में डबरा नगर से हुरावली तक भव्य समरसता यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, समानता और एकता का संदेश दिया गया।



यात्रा में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पराशर उपस्थित रहे। उन्होंने संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के जीवन, उनके विचारों और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी ने अपने विचारों और वाणी के माध्यम से समाज को समानता, प्रेम, सद्भाव और मानवता का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी का जीवन हमें जाति-पाति और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर एक समरस एवं संगठित समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं।

रविदास के आदर्शों को आत्मसात करना सच्ची श्रद्धांजलि

इस दौरान कहा गया कि यात्रा ने क्षेत्र में सामाजिक एकता और सद्भाव का सकारात्मक संदेश दिया। संत रविदास जी महाराज के आदर्शों को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है

समरसता यात्रा में जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, प्रदेश महामंत्री अजा मोर्चा श्री रामस्वरूप शुक्रवारे, यात्रा प्रभारी श्री विष्णुदत्त पाठक, किसान मोर्चा अध्यक्ष सरदार अमरदीप औलख, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रानी देवी कुशवाह, जिला महामंत्री कुलदीप यादव, जिला उपाध्यक्ष श्री विवेक मिश्रा, अजा मोर्चा अध्यक्ष श्री बनवारी परिहार सहित क्षेत्र के नागरिकों ने भाग लिया।

आज 4 घंटे बाधित रहेगा विद्युत प्रदाय

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नगर में शहरी हाईवे का निर्माण चल रहा है। इस दौरान बिजली कंपनी करीब 4 ट्रांसफार्मर की लाइन शिफ्ट करेगा। इसके चलते रविवार सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक शहर के कई इलाकों में बिजली बंद रहेगी। इस दौरान नगर के महूपुरा, एसपी बंगला, हाट मैदान, शास्त्री मार्ग, एबी रोड, मगरिया और करिश्मा गार्डन में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इसके अलावा आर्य समाज धर्मशाला, लालापुरा, भावसार मोहल्ला, सिटी हास्पिटल, राधा पेट्रोल पंप, पीएनबी बैंक और टंकी चौराहा इलाके में भी करीब 4 घंटे बिजली बंद रहेगी। उल्लेखनीय है कि नगर में विभिन्न कारणों से कटौती का दौर लगातार जारी बना हुआहै।

महिला के पेट से निकाली 9 किलो 770 ग्राम गांठ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। जिले के महाराजा सुरेंद्र सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। डॉक्टरों ने करीब 50 वर्षीय महिला के पेट से 9 किलो 770 ग्राम वजनी विशालकाय गांठ निकालकर महिला को नई राहत दी है। आपको बता दें कि आदिवासी बाहुल्य आलीराजपुर जिला अस्पताल में ये पहली बड़ी सर्जरी डाक्टर की टीम द्वारा की गयी

मामला सोंडवा क्षेत्र के वाकनेर गांव का है, जहां की रहने वाली फूमती बारस्केल पिछले करीब दो वर्षों से पेट दर्द



की गंभीर समस्या से परेशान थीं। लगातार बढ़ती तकलीफ के चलते परिजन 19 नवंबर को उन्हें आलीराजपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच की तो महिला के पेट में बड़ी गांठ होने का पता चला। इसके बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

दो घंटे के ऑपरेशन के बाद निकाली गांठ

28 नवंबर को सर्जन डॉ. प्रताप भानु मंडलोई के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने करीब दो घंटे तक चले ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट से 9 किलो 770 ग्राम वजनी विशालकाय गांठ निकाली। ऑपरेशन के बाद महिला की हालत स्वस्थ बताई गई है। फिलहाल महिला डॉक्टरों की निगरानी में है और उसका उपचार जारी है।

गांठ को आगे की जांच के लिए इंदौर भेजा गया

निकाली गई गांठ को आगे की जांच के लिए इंदौर भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही गांठ की प्रकृति के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।जिला अस्पताल के डॉक्टरों की इस सफलता से एक बार फिर साबित हुआ है कि बेहतर चिकित्सकीय प्रयास और टीमवर्क से जटिल ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किए जा सकते हैं।

प्रदर्शन घंटों ठप रहा तुलाई कार्य, मंडी गेट से छतरी चौराहे तक किसानों का प्रदर्शन

तुलाई बंद होने पर फूटा गुस्सा, चक्काजाम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। कृषि उपज मंडी में सूचना के बावजूद सोयाबीन की तुलाई शुरू नहीं होने से किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। सुबह से अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे किसान तुलाई शुरू होने का इंतजार करते रहे, लेकिन हम्मालों के आपसी विवाद के चलते काम बंद हो गया। काफी देर तक इंतजार के बाद भी जब तुलाई शुरू नहीं हुई तो किसानों का सब्र जवाब दे गया। पहले किसानों ने मंडी गेट के बाहर एकत्रित होकर धरना-प्रदर्शन किया और मंडी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद आक्रोशित किसान छतरी चौराहा स्थित धार-तिरला मुख्य मार्ग पर पहुंच गए और सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया।

दरअसल, शनिवार को मंडी चालू रखने की सूचना जारी की



गई थी। इसी के चलते सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान सोयाबीन की उपज लेकर मंडी पहुंचने लगे थे। किसानों के अनुसार सुबह करीब 11 बजे तक गेहूं की तुलाई का काम हुआ, लेकिन इसके बाद सोयाबीन की तुलाई शुरू होने से पहले ही काम बंद कर दिया गया। किसानों को उम्मीद थी कि कुछ देर में तुलाई शुरू हो जाएगी, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी व्यवस्था नहीं सुधरी। ऐसे में मंडी में उपज लेकर पहुंचे किसान परेशान होते रहे। अंततः किसानों ने सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराया।

किराए के ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंचे किसान परेशान

तुलाई बंद होने का सबसे ज्यादा असर उन किसानों पर पड़ा, जो दूर-दराज के गांवों से अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे थे। कई किसान किराए के ट्रैक्टर-ट्रॉली से सोयाबीन लेकर आए थे। ऐसे में मंडी में उपज की तुलाई नहीं होने से उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली का अतिरिक्त किराया, समय की बबार्दी और अन्य आर्थिक परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। किसानों का कहना था कि मंडी में उपज लेकर आने के बाद भी यदि तुलाई नहीं होगी तो उनकी मेहनत और खर्च दोनों बेकार हो जाएंगे। किसानों को यह भी चिंता सताने लगी कि उपज को वापस गांव ले जाने पर दोबारा परिवहन का खर्च उठाना पड़ेगा।

हम्मालों के विवाद का खामियाजा किसानों को क्यों?

किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी में हम्मालों और व्यापारियों के बीच होने वाले आपसी विवाद का खामियाजा हमेशा किसानों को भुगतना पड़ता है। मंडी में किसान अपनी उपज बेचने के लिए पहुंचते हैं, लेकिन व्यवस्थाओं में गड़बड़ी होने पर उन्हें ही परेशान होना पड़ता है। किसानों का सवाल था कि जब शनिवार को मंडी चालू रखने की सूचना दी गई थी तो तुलाई बंद होने की स्थिति क्यों बनी? यदि हम्मालों के बीच कोई विवाद था तो उसका समाधान पहले ही क्यों नहीं किया गया? किसानों ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी मंडी प्रबंधन की है, लेकिन विवाद के बीच किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। मंडी सचिव मंसाराम जमरे ने बताया कि शनिवार को मंडी चालू थी, लेकिन हम्मालों के बीच आपसी विवाद होने के कारण तुलाई का काम बंद करना पड़ा। किसानों और हम्मालों से बातचीत की जा रही है। सभी को समझाइश देकर विवाद सुलझाने और मंडी दोबारा चालू कराने का प्रयास किया जा रहा है।

संगोष्ठी में भारत सहित तंजानिया, सिंगापुर सऊदी अरब के विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महू (इंदौर)। विक्रांत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, इंदौर के फायर टेक्नोलॉजी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 27 एवं 28 नवंबर 2026 को "Advances in Fire Safety, fdustrial Risk & Disaster Managment in the Era of Al & Susai faility" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन FSAI, QCFI एवं NSCI के सहयोग से हाइब्रिड मोड में संपन्न हुआ।

संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि यूपीईएस, देहरादून के निदेशक डॉ. निहाल अनवर सिद्दीकी एवं विशिष्ट अतिथि प्रमोद दफतरिया तथा प्रो. डॉ. राजन शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्मारिका विमोचन के साथ किया गया। दो दिवसीय संगोष्ठी में



भारत सहित तंजानिया, सिंगापुर एवं सऊदी अरब के विशेषज्ञों ने फायर सेफ्टी, औद्योगिक जोखिम प्रबंधन, विद्युत सुरक्षा, सेफ्टी कल्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए।

दुर्घटनाओं की रोकथाम में एआई की भूमिका

चेयरमैन एवं संस्थान के प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र सिंह डोडिया ने कहा कि सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित घर लौटाने का संकल्प है। उन्होंने दुर्घटनाओं की रोकथाम में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर देशभर से 100 शोध पत्र प्राप्त हुए तथा 10 ओरल एवं 20 पोस्टर प्रस्तुतियां दी गईं। समारोह में मुख्य अतिथि मो. फिरोज आलम एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. परितोष श्रीवास्तव ने उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

विधायक छाया मोरे के नेतृत्व से प्रभावित होकर ली सदस्यता

कांग्रेसियों ने थामा भाजपा का दामन, 20 कार्यकर्ता हुए शामिल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। पंधाना विधानसभा क्षेत्र में विधायक श्रीमती छाया गोबिंदसिंह मोरे के नेतृत्व और कार्यशैली से प्रभावित होकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने का सिलसिला जारी है। शनिवार को ग्राम लखनगांव में आयोजित कार्यक्रम में विधायक छाया मोरे और भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर के संयोजन में लखनगांव सहित आसपास के गांवों के करीब 20 कांग्रेस कार्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। विधायक छाया मोरे ने सभी नवागत सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी की रीति-नीति के अनुरूप क्षेत्र के विकास और जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं ने विधायक छाया मोरे के सरल स्वभाव, जनसंपर्क, कार्यशैली और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल होने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों और विधायक छाया मोरे के नेतृत्व में पंधाना विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा के साथ जुड़ने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर छेगांव माखन के जनपद अध्यक्ष महेंद्र सावनेर, मंडल अध्यक्ष अशोक पटेल ,अजजा के मोर्चे



के जिलाअध्यक्ष धर्मेंद्र दागोडे, सिर्रा के अनूप पटेल ,जामनिया के सरपंच जयपाल सिंह चौहान सहित भाजपा वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल थे

पूर्व सरपंच और सरपंच प्रतिनिधि सहित कई प्रमुख चेहरे शामिल।

भाजपा की सदस्यता लेने वालों में पूर्व सरपंच एवं सरपंच प्रतिनिधि रामसिंह डुडवा, पूर्व सरपंच निहालसिंह डुडवा, अमरसिंह डुडवा, सुभाष कनेस, सुमेर बघेल, मानसिंह कनेस, रिक्षु गोखले, मदन डुडवा, ध्यानसिंह डोडिया, किसान कनेस, कुमसिंह कनेस, जगदीश डोडिया, नानकु कनेस, दिलीप जमरा, नरसिंह गोखले, रुमालसिंह बघेल, नवलसिंह डोडिया, जगदीश गोबेल, रामलाल एवं थावरसिंह सिसोदिया सहित करीब 20 कार्यकर्ता शामिल हुए।

भाजपा का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास : मोरे

इस अवसर पर विधायक छाया गोबिंदसिंह मोरे ने कहा कि भाजपा का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। पंधाना विधानसभा क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक छाया मोरे ने कहा कि जनता का विश्वास और कार्यकताओं का सहयोग ही विकास की सबसे बड़ी ताकत है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर ने कहा भाजपा में शामिल हुए सभी कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में सभी को सम्मान और जिम्मेदारी के साथ काम करने का अवसर मिलता है।

प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमता जिलाबदर बदमाश गिरफ्तार

शाजापुर। पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला के निर्देशन में जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लालघाटी पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एक वर्ष के लिए जिला बदर किए गए आरोपी विजेंद्र पिता बाबूलाल जाट निवासी ग्राम लोदिया को आदेश का उल्लंघन कर जिले की सीमा में घूमते हुए गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध पूर्व से गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी और चोरी सहित कई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज थे। उसकी निरंतर आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर जिला दंडाधिकारी शाजापुर द्वारा 28 सितंबर 2026 को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत उसे एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर किया गया था। शनिवार को पुलिस को वह प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमता मिला। जिस पर उसे गिरफ्तार किया गया।

कृषि मंत्री ने मां नर्मदा का पूजन कर माहेश्वरी साड़ियों की बारीकियों को परखा

भगवान राजराजेश्वर के किए दर्शन, परिक्रमावासियों का हुआ भव्य स्वागत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व कैबिनेट कृषि मंत्री कमल पटेल इन दिनों अपने परिजनों के साथ सपत्नीक पावन मां नर्मदा की परिक्रमा कर रहे हैं। अपने 6 दिवसीय पड़ाव के पश्चात श्री पटेल धर्मनगरी महेश्वर पहुंचे, जहां कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

महेश्वर आगमन पर पूर्व मंत्री ने प्रातः 9 बजे पावन नर्मदा तट पर स्नान किया। इसके पश्चात उन्होंने सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-शांति की कामना की।

एक बार जरुर करें माँ नर्मदा परिक्रमाःपटेल

इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए पटेल ने कहा कि, मानव जीवन में हर व्यक्ति को एक बार मां नर्मदा की परिक्रमा अवश्य



करनी चाहिए। नर्मदा पूजन के उपरांत उन्होंने प्राचीन भगवान राजराजेश्वर मंदिर पहुंचकर अभिषेक व पूजन किया और क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद पूर्व मंत्री ने महेश्वर की ऐतिहासिक बुनकर कला में भी गहरी रुचि दिखाई। वे नगर के प्रसिद्ध प्रतिष्ठान 'चौहान हैंडलूम' पहुंचे, जहां उन्होंने विश्वप्रसिद्ध माहेश्वरी साड़ियों की बुनाई और बारीकियों को करीब से परखा और साड़ियों की खरीदारी की। इस दौरान प्रतिष्ठान के संचालक सुभाष चौहान ने पूर्व पटेल, उनकी धर्मपत्नी सहित सभी परिक्रमावासियों को आत्मीयता के साथ माहेश्वरी साड़ियां भेंट कर उनका सम्मान किया। महेश्वर नगर में 'टीम मनोज परमार' के नेतृत्व में पूर्व मंत्री कमल पटेल एवं उनके साथ चल रहे सभी परिक्रमावासियों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस स्वागत समारोह में सुनील पटेल, पंडित कमल शर्मा, बक्सी राम यादव, महेश पाटीदार, मनोज पाटीदार, सुभाष चौहान, चेतन शर्मा, केतन गुप्ता, दिलीप सोनी, यतिन्द्र टुटेजा, महंत कार्तिक गिरि, रितेश शर्मा, दीपक सिटोले एवं श्याम मेवाड़े सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना में आवेदन की 30 नवंबर अंतिम तिथि

देवास। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का लाभ लेने के इच्छुक पात्र विद्यार्थी 30 नवम्बर 2026 तक इच्छुक पात्र विद्यार्थी विभाग के स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र में समग्र कोड एवं संबंधित स्कूल अथवा महाविद्यालय का कोड अंकित करना अनिवार्य है। योजना में पात्र विद्यार्थियों को दिव्यांगता श्रेणी एवं शैक्षणिक योग्यता के आधार पर लैपटॉप अथवा बैटरी चलित मोट्रेट ट्रायसिकल प्रदान की जाएगी।

शिविर में 250 मरीजों की जांच, 63 के होंगे ऑपरेशन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। तहसील के ग्राम कुशलपुरा स्थित भारतीय विद्या मंदिर में श्री सद्गुरु सेवा संघ आनंदपुर द्वारा स्वर्गीय प्रभुलाल पाटीदार कुशलपुरा की प्रथम पुण्य स्मृति में विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 250 मरीजों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। जिसमे से 63 मरीजों का आंखों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चयन कर बस द्वारा आनंदपुर ले जाया गया।

सभी मरीजों का आनन्दपुर में निशुल्क ऑपरेशन, दवाई व



चश्मा भी निशुल्क प्रदान किया जाएगा एवं उन्हें ऑपरेशन उपरांत कुशलपुरा छोड़ा जाएगा। इस अवसर पर स्व पाटीदार के परिजनों द्वारा जांच दल के सदस्यों का शॉल श्रीफल से सम्मान भी किया गया।

बिना सहमति स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शामगढ़ (मंदसौर)। नगर की लक्ष्मण कॉलोनी में शनिवार को विद्युत विभाग के कर्मचारियों और ठेकेदार द्वारा बिना उपभोक्ताओं की सहमति के जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने का मामला सामने आया है। कॉलोनीवासियों ने बंद घरों पर मीटर लगाने और विरोध करने पर डराने-धमकाने के आरोप भी लगाए हैं।

मामले की सूचना मिलते ही जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग मंदसौर के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल सिसोदिया एवं विजय मुजावदिया, शाहरुख पठान साथियों सहित मौके पर पहुँचे। उन्होंने कॉलोनी के रहवासियों व उपभोक्ताओं से रूबरू होकर उनकी समस्याएं



सुनीं।इस दौरान सिसोदिया ने मौके पर मौजूद विद्युत विभाग के कर्मचारियों से स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को लेकर चर्चा की और बिना उपभोक्ता की सहमति व बंद घरों में मीटर न लगाने की बात कही। उन्होंने कॉलोनीवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है, आमजन के हितों की लड़ाई में वे पूरी मजबूती से उनके साथ खड़े हैं।

श्रमिक एकता एवं संगठन विस्तार का संकल्प

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों में शामिल भारतीय मजदूर संघ का प्रथम जिला अधिवेशन शनिवार को आयोजित हुआ। अधिवेशन में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त सुलतान सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं संभाग प्रभारी बालमुकुंद पाटीदार एवं विभाग प्रमुख सतीश शर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में आगर विधायक मधु गहलोत, अतिथि शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष तूफान सिंह शर्मा तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती हेमलता जोशी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, भगवान विश्वकर्मा एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।



द्वितीय सत्र में जिला अध्यक्ष अमित जोशी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए आगर मालवा जिले के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ श्रमिक हित, उद्योग हित एवं राष्ट्रहित को समान महत्व देने वाला संगठन है।आगर विधायक मधु गहलोत ने जिले के कर्मचारियों एवं श्रमिकों के हितों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव से चर्चा कर आवश्यक पहल करने पर दिया। संभाग प्रभारी बालमुकुंद पाटीदार ने संगठन की एकता, अनुशासन एवं विस्तार पर बल दिया।

श्रमिक राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति : शेखावत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुलतान सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में श्रमिकों को राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए उनके सम्मान, अधिकार एवं कल्याण के लिए संगठित प्रयासों की आवश्यकता बताई। उन्होंने भारतीय मजदूर संघ की विचारधारा एवं संगठनात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए जिले में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। विभाग प्रमुख सतीश शर्मा ने भी संगठन की कार्यपद्धति एवं संगठनात्मक मजबूती के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। अधिवेशन में जिले के विभिन्न विभागों के श्रमिक प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं, अधिकारों एवं संगठन के भावी विस्तार को लेकर विचार-विमर्श किया। इस दौरान जिला स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने तथा अधिकाधिक श्रमिकों को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया गया। संचालन जिला मंत्री राकेश पडियार ने किया एवं पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष नितिन रघुवंशी ने आभार व्यक्त किया।

पार्षद के घर में लगी आग लाखों का हुआ नुकसान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। जिले के कसरावद नगर स्थित जामा मस्जिद मोहल्ले में बीती शाम करीब सात बजे पार्षद रहीश कुरैशी के मकान में भीषण आग लग गई। परिवार के मुताबिक शार्ट सर्किट के कारण अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं, जिससे पूरे मोहल्ले में अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया।

पड़ोसियों ने बाल्टियों और अन्य उपलब्ध साधनों से आग बुझाने का प्रयास किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में रहीश कुरैशी के घर का फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य घरेलू सामान सहित लाखों का



सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार, इस हादसे में लगभग एक से डेढ़ लाख रुपए का गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। गनिमत रही समय रहते घर के लोग बाहर निकल आए, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। कुरैशी के अनुसार घर में एक कुरान शरीफ रखी हुई थी। आग की प्रचंड लपटें कुरान शरीफ को छू नहीं पाईं और केवल उसकी लकड़ी की पेटी पर ही आग का मामूली असर दिखा।

भोपाल में आपकी आवाज को उठाना मेरी जिम्मेदारी : विधायक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

जोबट। जोबट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत रजितगढ़ एवं ग्राम बेहड़िया में ग्रामीणों की विद्युत समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जोबट विधायक सेना महेश पटेल ने विधायक निधि से लगभग 10 लाख रुपये की लागत से स्थापित 2 विद्युत ट्रांसफार्मर (डीपी) का उद्घाटन किया। इसके साथ ही पंचायत वित्त से स्थापित 6 विद्युत डीपी का भी उद्घाटन किया गया। विद्युत डीपी की स्थापना से ग्रामीणों को बिजली संबंधी समस्याओं से



राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में विधायक सेना महेश पटेल का ग्रामीणों ने ढोल-धमाकों और फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों के बीच पहुंचीं विधायक खुशी में ग्रामीणों के साथ थिरकती और नृत्य करती नजर आईं।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक सेना महेश पटेल ने कहा कि रजितगढ़ एवं बेहड़िया क्षेत्र के लोगों ने बिजली और सड़क की समस्याएं उनके सामने रखी थीं।

जनता की मांग पर डीपी

विधायक ने कहा कि जनता की मांग और पंचायत प्रतिनिधियों के आग्रह पर विद्युत डीपी लगवाने की पहल की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 12 डीपी के लिए प्रयास किए गए हैं, जिनमें से 8 डीपी का उद्घाटन किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि ग्रामीणों की मांग पर सड़क निर्माण के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संबंधित सड़कों के लिए पत्र लिखे गए हैं और सर्वे की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। विधायक ने कहा कि पाताल फलिया से मिडिल स्कूल तथा बोर फलिया से नरपुरा तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर भी प्रयास जारी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधायक का काम प्रस्ताव भेजना, स्वीकृति दिलाने का प्रयास करना और विधानसभा में जनता की आवाज उठाना है, जबकि बजट उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में ओम प्रकाश राठौर, आराम पटेल, सरदार अजनार, अरविंद डावर, सोनू वर्मा, लक्की राठौर, रुमा बामनिया मौजूद रहीं।

ज्ञापन भालूमाड़ा में 2.54 करोड़ की लागत से निर्मित मंगल भवन का लोकार्पण

भवन के रखरखाव की जिम्मेदारी हमारी: हिमाद्री

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद पसान अंतर्गत भालूमाड़ा में 2 करोड़ 54 लाख 35 हजार रुपये की लागत से नवनिर्मित मंगल भवन का लोकार्पण शनिवार को हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भालूमाड़ा क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से मंगल भवन की मांग की जा रही थी। क्षेत्र की आवश्यकता और जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने एक बड़ी सौगात दी है। अब इस भवन में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मांगलिक कार्यक्रम बेहतर तरीके से आयोजित किए जा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि यह भवन हम सभी की साझा संपत्ति है। इसकी साफ-सफाई, सुरक्षा और उचित रखरखाव की जिम्मेदारी भी हम सबकी है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भवन को अपना समझकर उसकी देखरेख करने की अपील की। सांसद ने कहा कि आज इस



मंगल भवन की सौगात जनता को समर्पित करते हुए उन्हें प्रसन्नता हो रही है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने की। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, बृजेश गौतम, नगर पालिका पसान अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं नगर परिषद जैतहरी अध्यक्ष उमंग गुप्ता सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से कराया पूरा

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने अतिथियों का फूलमाला, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर स्वागत किया। साथ ही उपस्थित पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों का भी शॉल भेंटकर सम्मान किया गया। स्वागत उद्बोधन में नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में जनहित और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। जमुना कॉलोनी के बाद भालूमाड़ा में दूसरे मंगल भवन का निर्माण क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस विकास कार्य में कुछ लोगों द्वारा अवरोध उत्पन्न करने के उद्देश्य से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, लेकिन जनहित के महत्व को देखते हुए न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी। उन्होंने कहा कि आज सभी के सहयोग से मंगल भवन बनकर तैयार हुआ है और जनता को समर्पित किया जा रहा है। भवन का किराया भी सीमित रखा गया है, ताकि आम नागरिक आसानी से अपने सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रम आयोजित कर सकें। लोकार्पण समारोह में बृजेश गौतम, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू, जिला उपाध्यक्ष ज्योति सोनी, कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी, राजा तिवारी, श्रीमती दुर्गा पटेल आदि मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकने रथ रवाना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर मालवा। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पचलाना में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर स्थल से बाल विवाह मुक्त आगर 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह रोकने तथा समाज को इस कुप्रथा से मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना, पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप सोनी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी.एस. सोलंकी, जनप्रतिनिधि दिलीप सकलेचा, रामेश्वर तेजरा, रोहित सकलेचा द्वारा जागरूकता



प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

बाल विवाह को लेकर किया जाएगा जागरुक

इस जागरुकता अभियान के माध्यम से जिले में बाल विवाह की रोकथाम, इसके दुष्परिणामों के प्रति जनजागरूकता तथा बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। प्रचार रथ पूरे जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक करेगा। इस दौरान बाल विवाह के नुकसान बताए जाएंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव गुप्ता ने बताया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उनके उज्ज्वल भविष्य को प्रभावित करता है।

इसे रोकना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित कर आगर-मालवा जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग का आग्रह किया है।

54 करोड़ से मिलेगा चीलर को पुर्नजीवन, नगरीय प्रशासन मंत्रालय से दिल्ली पहुँची फाइल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। गंदे नाले का रूप ले चुकी चीलर के भी दिन सुधरने की एक बार फिर उम्मीद जागी है। इस बार नदी को वृहद रूप से साफ करके इसे पुर्नजिवित किया जाने की योजना बनाई जा रही है। नगरीय प्रशासन मंत्रालय को पूरे शहरी क्षेत्र में चीलर नदी के उद्धार के लिए योजना बनाई जाकर स्वीकृति के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय पहुंचाई गई है।

इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिलने के बाद पहली बार चीलर नदी के पूरी तरह उद्धार की राह प्रशस्त होगी और योजना पर अमल होने से नदी पुनः जीवित तो हो जाएगी, वहीं इसे पर्यटक स्थल के रूप में भी डेवलप किया जाएगा। जिससे नदी की सुंदरता से नगर की भी सुंदरता बढ़ जाएगी। चीलर नदी को गंदा करने में सबसे बड़ा योगदान इसमें मिलने वाले 13 बड़े गंदे नाले है। इन नालों से पूरे नगर की गंदगी बहकर नदी में आती है। इस कारण दिन प्रतिदिन नदी में गंदगी और गाद बढ़ती जा रही है। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित मल-जल परियोजना का नगर में कार्य लगभग पूर्ण बताया जा रहा है। इसके चलते पूरे नगर में करीब 4 हजार से ज्यादा चैंबर बनाए गए है। वहीं नालियों को बंद करके सीधे पाइप लाइन के माध्यम से गंदे पानी को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट ले जाया जा रहा है। जहां पानी से गंदगी को साफ किया जा रहा है।



विधायक ने बनाई योजना, आगे बढ़ी फाईल

प्रारंभिक दौर में दावा किया गया था कि इस परियोजना के बाद चीलर नदी में गंदगी मिलना बंद हो जाएगी, लेकिन इसके विपरित नदी में लगातार गंदगी मिलने का क्रम जारी है। इसी परेशानी को देखते हुए विधायक अरुण भीमावद ने चीलर नदी के उद्धार के लिए वृहद योजना बनवाई। इस योजना को नगरीय प्रशासन विभाग के माध्यम से केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय तक पहुंचाया गया। बताया गया कि चीलर नदी के उद्धार की उक्त परियोजना की फाइल को शहरी विकास मंत्रालय से भी आगे बढ़ा दिया गया है। जिससे आगामी दिनों में इसकी स्वीकृति मिलने की उम्मीद जाग गई है। यदि ऐसा हुआ तो पूरे नगर में चीलर नदी का स्वरूप ही बदल जाएगा।

रिटर्निंग वाल, पाथ-वे सहित अन्य कार्य हैं शामिल

चीलर नदी के उद्धार के लिए विधायक अरूण भीमावद द्वारा तैयार कराए गए प्रस्ताव में पूरे शहरी क्षेत्र में चीलर नदी के दोनों किनारे पर रिटर्निंग वाल बनाई जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे नदी में गंदगी मिलना बंद होगी और नदी की सीमा भी निर्धारित हो जाएगी। जिससे नदी में और अतिक्रमण बढ़ने की संभावना समाप्त हो जाएगी। इसके साथ ही नदी के सभी घाटों का पुर्ननिर्माण और सौंदर्यीकरण किया जाने का भी प्रस्ताव इसी योजना में शामिल किया गया है। पूरे शहरी क्षेत्र में नदी के दोनों किनारे पर पाथवे बनाए जाने के साथ ही नदी के गंदे पानी को रिसायकल करने के लिए इसमें मशीनें लगाकर पानी को पुनः नदी में छोड़े जाने का भी प्रस्ताव शामिल किया गया है। जिससे नदी पुनः प्रवाहमान हो जाए और इसमें गंदगी नहीं मिले। इसके अतिरिक्त नदी में मिलने वाले समस्त नालों को भी इसमें से हटाया जाएगा।

इनका कहना है...

मेरे कार्यकाल के प्रमुख कार्यों में चीलर नदी का उद्धार भी शामिल है। नदी के पूरी तरह साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए 54 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर नगरीय प्रशासन विभाग के माध्यम से केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय तक पहुंचाया गया है। वहां से भी फाइल आगे बढ़ गई है। उम्मीद है कि जल्द ही इस पर स्वीकृति मिलेगी और नदी का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा।

अरुण भीमावद
विधायक-शाजापुर

तेज रफ्तार ट्राले ने पिकअप को मारी टक्कर, दोनों पलटे

उज्जैन-गरोठ हाईवे पर हुआ हादसा, दो घायल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



उज्जैन। उज्जैन-गरोठ हाईवे पर मरम्मत के दौरानउज्जैन-गरोठ नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह सड़क मरम्मत कार्य के दौरान एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्राले ने सड़क किनारे खड़ी पिकअप को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन अनियंत्रित होकर पलट गए और इस दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ट्राला चालक मौके से फरार हो गया।

यह दुर्घटना शनिवार सुबह करीब 10 बजे झारडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिपलिया धम्मा के पास हुई। जानकारी के अनुसार, घटनास्थल पर हाईवे के गड्ढे भरने का मरम्मत कार्य चल रहा था, जिसके चलते पिकअप वाहन सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान सीमेंट की बोरियों से लदा एक ट्राला गरोठ से उज्जैन की ओर जा रहा था और उसने खड़े वाहन में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गई। वहीं, टक्कर के बाद संतुलन बिगड़ने से सीमेंट से भरा ट्राला भी सड़क पर पलट गया। इस हादसे में हाईवे की सुरक्षा रेलिंग टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई और ट्राले में लदी सीमेंट की दर्जनों बोरियां सड़क पर बिखर गईं। दोनों वाहनों के पलटने से हाईवे पर आवागमन भी कुछ समय के लिए बाधित हुआ।

लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुँचाया

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पहुंची एंबुलेंस की मदद से दोनों गंभीर घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल आगर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए आगे रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही झारडा थाना प्रभारी सुरेंद्र गरवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों तथा सड़क पर बिखरी सीमेंट की बोरियों के कारण बाधित हुए यातायात को सुचारू कराया। फिलहाल पुलिस फरार ट्राला चालक की तलाश कर रही है।

सिंहस्थ को लेकर विशेष ट्रेनिंग ले रही है पुलिस

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। इसके तहत पुलिसकर्मियों के लिए एक विशेष रोल-बेस्ड ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार किया गया है, जिसकी शुरूआत महाकाल मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था से की गई है। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी सड़कों पर उतरकर वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास करते नजर आए।

एडिशनल एसपी आलोक शर्मा ने बताया कि पहले चरण में प्रदेशभर से ट्रेनर्स का चयन कर उन्हें 'ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' (ळङ्गळ) के तहत प्रशिक्षित किया गया, जिसके बाद अब पुलिसकर्मियों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार ट्रेनिंग दी जा रही है। महाकाल मंदिर के लिए तैयार किए गए 7 दिवसीय कैप्सूल कोर्स में जवानों को मंदिर के इतिहास और भौगोलिक संरचना की बारीक जानकारी दी जा रही है। इसमें आरती व्यवस्था, श्रद्धालुओं को आपात स्थिति में ो सुरक्षित बाहर निकालने की प्रैक्टिकल ड्रिल शामिल है।

भक्तों ने की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

खड़े हनुमान: टंकी चौक पर शिफ्टिंग रद्द, नई जगह की तलाश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



उज्जैन। प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर के विस्थापन को लेकर चल रहा विवाद चार महीने बीत जाने के बाद भी सुलझ नहीं पाया है। एक ओर जहां श्रद्धालु और हिंदू संगठन प्रतिमा को उसके मूल स्थान से न हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन ने टंकी चौक पर पहले से तैयार कराए गए नए मंदिर ढांचे में प्रतिमा को शिफ्ट करने की अपनी योजना बदल दी है। अब प्रशासन की ओर से हनुमानजी की प्रतिमा के लिए किसी अन्य नई जगह की तलाश शुरू कर दी गई है।

मंदिर के पुजारी महेश बैरागी ने इस बदलाव की पुष्टि करते हुए बताया कि टंकी चौक पर भगवान को ले जाने का फैसला पुजारी पक्ष और सरकार, दोनों की ओर से फिलहाल रद्द कर दिया गया है। इसके पीछे मुख्य कारण प्रतिमा की दिशा को बताया जा रहा है। टंकी चौक पर बनाए गए ढांचे में प्रतिमा की दिशा बदल रही थी, जबकि भक्तों की मांग है कि प्रतिमा का मुख वर्तमान की तरह दक्षिण दिशा में ही बरकरार रखा जाए। पुजारी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन नई जगह देने पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी कोई स्थान तय नहीं हुआ है, लेकिन जहां भी प्रतिमा स्थापित होगी, वह दक्षिणमुखी ही रहेगी।

मामले में पारदर्शिता को लेकर श्रद्धालुओं में रोष

इस पूरे मामले में पारदर्शिता को लेकर श्रद्धालुओं में रोष है। पुजारी महेश बैरागी के अनुसार, भक्तों की मांग है कि प्रशासन मंदिर से जुड़ी जांच रिपोर्ट को तत्काल सार्वजनिक करे। रिपोर्ट चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक, उसे जनता के सामने रखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंदिर से जुड़ा जो भी कार्य हो, वह दिन के उजाले में किया जाए ताकि भक्तों को इसकी पूरी जानकारी रहे। जब श्रद्धालु प्रशासन के किसी भी काम में बाधा नहीं डाल रहे हैं और पूरा सहयोग कर रहे हैं, तो प्रशासन को अंधेरे में काम करने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है?

अगस्त माह में प्रशासन ने की थी मंदिर शिफ्ट करने की तैयारी

गौरतलब है कि अगस्त माह में सड़क चौड़ीकरण परियोजना के दौरान प्रशासन ने मंदिर को शिफ्ट करने की तैयारी की थी और टंकी चौक पर नया ढांचा भी बना दिया था। लेकिन प्रतिमा के अपने स्थान से न हिलने के कारण शिफ्टिंग की प्रक्रिया रुक गई थी। मुख्य ढांचा हटने के बाद से प्रतिमा फिलहाल एक कैनोपी (टेंट) के नीचे विराजित है। सोशल मीडिया पर मामला चर्चित होने के बाद देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और लगातार प्रतिमा को मूल स्थान पर ही रखने तथा जांच के नाम पर उसे बार-बार न छेड़ने की मांग कर रहे हैं।

9 केंद्रों पर हुई नवोदय चयन परीक्षा



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले में शनिवार को जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा छठी में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा हुई। जिले के 9 केंद्रों पर 2,936 विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था। जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर के अनुसार, परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए।

शाजापुर के एक केंद्र पर 409 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। कालापीपल के तीन केंद्रों पर क्रमशः 432, 288 और 347 विद्यार्थी शामिल हुए। मोहन बड़ोदिया के दो केंद्रों पर 360 और 222 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं, शुजालपुर के तीन केंद्रों पर 384, 288 और 207 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर ने बताया कि परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा छठी में प्रवेश दिया जाएगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर जरूरी व्यवस्थाएं की गई थीं, वहीं अधिकारी भी बारी-बारी से केंद्रों का निरीक्षण करते रहे और परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

निशित रोल बॉल वर्ल्ड कप में चयनित

6 से 9 दिसंबर तक इंदौर में आयोजित होगी प्रतियोगिता

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। शहर के प्रतिभाशाली रोल बॉल खिलाड़ी निशित ठाकुर का चयन द्वितीय जूनियर रोल बॉल वर्ल्ड कप के लिए हुआ है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 6 से 9 दिसंबर तक इंदौर में आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न देशों की टीमें हिस्सा लेंगी।

निशित ठाकुर देवास के पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने रोल बॉल की इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर शहर को गौरवान्वित किया है। निशित फ्लाइंग व्हील्स स्केटिंग फाउंडेशन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। उनके इस चयन के बाद वे भारतीय टीम के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र के पुणे स्थित पिंपरी पहुंच गए हैं, जहां



चयनित खिलाड़ियों को आगामी विश्व कप के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सफलता अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम

इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए फ्लाइंग व्हील्स स्केटिंग फाउंडेशन की डायरेक्टर श्रीमती किरण मेहता ने बताया कि निशित की यह सफलता उनकी मेहनत, लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि देवास के किसी खिलाड़ी का इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होना पूरे शहर और खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। निशित ठाकुर के कोच तनमय मेहता ने भी उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि निशित ने लगातार मेहनत और समर्पण के साथ अपने खेल में सुधार किया है। उनका चयन अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगा। फ्लाइंग व्हील्स स्केटिंग फाउंडेशन की ओर से निशित ठाकुर को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

खुले स्थान पर कचरा जलाने पर चालानी कार्रवाई

देवास। व्यर्थ पानी बहाने तथा खुले स्थान पर कचरा जलाने पर रहवासियों पर निगम द्वारा निरंतर चालानी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में निगम स्वच्छता निरीक्षक भूषण पवार के द्वारा वार्ड 19 में 2 रहवासियों पर व्यर्थ पानी बहाने पर 1 हजार तथा निजी बोरवेल से सड़क धोने पर 500 रुपये एवं खुले स्थान पर कचरा जलाने पर 300 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। इसी प्रकार स्वच्छता निरीक्षक प्रवीण खरे के द्वारा वार्ड 8 में व्यर्थ पानी बहाने पर 200 रुपये, कुल 2 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि गत दिनों निगमायुक्त दिलीप कुमार के द्वारा बैठक के दौरान वार्डों में व्यर्थ पानी बहाने तथा खुले स्थानों पर कचरा जलाने वाले रहवासियों पर चालानी कार्रवाई करने के सख्त निर्देश सभी स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को दिए गये हैं।

मॉक ड्रिल : पुलिस, होमगार्ड और एसडीआरएफ ने लोगों को बचाया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर मक्सी की रामको इंडस्ट्री में अचानक आपात स्थिति का संकेत देने वाला सायरन बज उठा। अधिकारी और कर्मचारी सभी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। जो लोग बिल्डिंग में फंसे थे उन्हें बाहर निकाला गया। इसके बाद घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

दरअसल यहां पर आपात स्थिति से बचने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया था। कलेक्टर पारीक्षित संजय राव झाड़े के मार्गदर्शन में यह अभ्यास किया गया। इस माकड्रिल में होमगार्ड, एसडीआरएफ, पुलिस, सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स, आपदा मित्र और एनसीसी कैडेट्स ने हिस्सा लिया। तय रेड सिग्नल पर सायरन बजाकर प्रतीकात्मक ब्लैकआउट किया गया। इसके बाद आपात स्थिति में बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास हुआ। अभ्यास में क्षतिग्रस्त इमारत से लोगों को निकालने, आग बुझाने और आग प्रभावित इमारत से लोगों को बचाने का प्रदर्शन किया गया। ऊंचाई पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार देने और अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया भी दिखाई गई। रामको इंडस्ट्रीज मक्सी के करीब 50 प्रशिक्षित कर्मचारियों ने अभ्यास में हिस्सा लिया। तय ग्रीन सिग्नल पर सायरन बजने के साथ माकड्रिल पूरी हुई। इसका उद्देश्य लोगों को आपात स्थितियों के प्रति जागरूक करना, तुरंत प्रतिक्रिया और बचाव की तैयारी जांचना और विभागों के बीच तालमेल बनाना था।

आयोजन | स्वदेशी जागरण मंच का स्वदेशी मेला

स्व' का भाव, पंच परिवर्तन, स्वावलंबन का संगम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। पुलिस ग्राउंड, देवास में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला 2026 अपनी अलग पहचान बना रहा है। मेले के पहले ही दिन देवासवासियों का मिला उत्साहजनक प्रतिसाद इस आयोजन के प्रति लोगों के आकर्षण और स्वदेशी के प्रति उनके जुड़ाव को दशार्ता है। मेले का भव्य शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

शुभारंभ समारोह में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक गायत्री राजे पंवार, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राय सिंह सेंधव, भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव, भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री आशीष झाला एवं सभापति रवि जैन, मंच के क्षेत्रीय समन्वयक अरुशेंद्र शर्मा, मालवा प्रांत संयोजक प्रो. डॉ. विशाल पुरोहित, प्रांत संपर्क प्रमुख डॉ. सुरेश चोपड़ा, प्रांत सह



संयोजक दिलीप सिंह चौहान, देवकरण शर्मा, राजवीर चौहान, राहुल विश्वकर्मा, मनीष एवं हिमांशु उपस्थित रहे।

राम दरबार मंदिर बना प्रमुख केंद्र

मेले का सबसे प्रमुख आकर्षण राम दरबार का भव्य मंदिर है, जो हर आगंतुक को सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक भाव से जोड़ रहा है। मंदिर में पहुंचकर लोग श्रद्धा और भक्ति के साथ दर्शन कर रहे हैं।स्वावलंबन ग्राम मेले का एक विशेष आकर्षण है। यहां पारंपरिक ग्रामीण परिवेश में एक गांव की सुंदर परिकल्पना को साकार किया गया है। गांव की संस्कृति, रहन-सहन और देशी अंदाज में भोजन की व्यवस्था लोगों को अपने बचपन और पुरानी यादों से जोड़ रही है। ग्रामीण जीवन की सादगी और परंपराओं का यह अनुभव आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का माध्यम बन रहे हैं।, वहीं भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से आए उत्पाद, हस्तशिल्प और स्वदेशी सामग्री देश की विविधता, कला और स्थानीय हुनर का परिचय करा रहे हैं। यहां खरीदारी के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों की संस्कृति और उत्पादों को करीब से जानने का अवसर भी मिल रहा है। बताया गया कि यह मेला केवल खरीदारी और मनोरंजन का केंद्र नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा, स्थानीय उत्पादों और आत्मनिर्भरता के विचार को अनुभव करने का एक अनूठा अवसर है। मेले के माध्यम से स्वदेशी अपनाने, स्थानीय व्यापार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। संचालन मोनिका शर्मा एवं विजय बहादुर सिंह ठाकुर ने एवं आभार मेला संयोजक विजेंद्र उपाध्याय ने माना।

कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सीखे ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन के व्यावहारिक गुर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय कृष्णाजीराव पवार स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय देवास में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय गाडगे के मार्गदर्शन में यह कार्यशाला स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को रोजगार से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। सत्र के दौरान मुख्य प्रशिक्षक प्रो. जॉन प्रीतेश ने विद्यार्थियों को देवास जॉब पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया, व्यावसायिक एवं त्रुटिरहित बायोडाटा तैयार करने तथा ऑनलाइन आवेदन करने



की चरणबद्ध विधि विस्तार से समझाई। विद्यार्थियों ने कंप्यूटर पर स्वयं अभ्यास कर अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

जॉब पोर्टल पर पंजीकरण कराने किया प्रेरित

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों के लिए केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि रोजगार के पोर्टल्स की जानकारी और प्रभावी बायोडाटा निर्माण का कौशल भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को देवास जॉब पोर्टल पर सक्रिय रूप से पंजीकरण कर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के डॉ. आर.के. मराठा, डॉ. विद्या माहेश्वरी, डॉ. सत्यम सोनी, डॉ. रूचि धाकड़, प्रो. सोहन गुर्जर एवं अन्य प्राध्यापकगण व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. दीपक अटाडीया ने किया तथा अंत में आभार डॉ. निलेश महाजन द्वारा व्यक्त किया गया।

साइबर ठगों का बढ़ता जाल ! धोखेबाजों पर साइबर सेल की सख्त नजर

एपीके फाइल से मोबाइल हैकिंग से लेकर ऑनलाइन बैंकिंग तक निशाने पर लोग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। डिजिटल लेनदेन ने लोगों की जिंदगी को भले ही आसान बनाया हो, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधियों ने भी ठगी के नए-नए तरीके विकसित कर लिए हैं। मोबाइल पर आने वाले अनजान लिंक, एपीके फाइल, फर्जी कॉल और ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ किया जा रहा है।

गुना जिले में सामने आ रहे साइबर धोखाधड़ी के मामले इस खतरे की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। साइबर अपराधों के खिलाफ गुना पुलिस की कार्रवाई में दो महत्वपूर्ण पहलू सामने आए हैं। एक ओर पुलिस ने नौ पीड़ितों को उनकी ठगी गई 84,105 रुपये की रकम वापस दिलाई है, वहीं दूसरी ओर कैंट थाना पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामलों में झारखंड के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी के कब्जे से ठगी गई 45 हजार रुपये की पूरी रकम भी बरामद की गई। साइबर ठगी का एक मामला मोबाइल फोन के जरिए होने वाली धोखाधड़ी के खतरनाक तरीके को सामने लाता है। 12 अक्टूबर 2026 को कैंट थाना क्षेत्र के लूसन का बगीचा निवासी उमेश राठौर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अढड फाइल के माध्यम से उनका मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 45 हजार रुपये निकाल लिए। मामले में कैंट थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 931/26 के तहत धारा 318(4) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने आरोपी की पहचान करते हुए झारखंड के पलामू जिले के निवासी 28 वर्षीय प्रवन कुमार पुत्र विनोद कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी गई 45 हजार रुपये की पूरी नकदी बरामद कर ली। यह मामला बताता है कि मोबाइल पर आने वाली अनजान फाइल कितनी बड़ी वित्तीय मुसीबत बन सकती है।

2.25 लाख की ठगी में भी झारखंड तक पहुंची पुलिस

ऑनलाइन धोखाधड़ी का दूसरा मामला 5 अगस्त 2026 का



है। कैंट क्षेत्र के मातापुरा निवासी विक्रम राजौरिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ 2 लाख 25 हजार 700 रुपये की ऑनलाइन ठगी हुई है। कैंट थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 669/26 के तहत धारा 318(4) बीएनएस में मामला दर्ज कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की। इस दौरान पुलिस ने झारखंड के दुमका जिले के निवासी 47 वर्षीय जगदीश पुत्र छत्तू राव को अभिरक्षा में लिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश और अनुसंधान जारी है। दोनों मामलों में झारखंड निवासी आरोपियों की गिरफ्तारी ने यह संकेत दिया है कि ऑनलाइन ठगी के तार दूसरे राज्यों तक जुड़े हो सकते हैं।

नौ पीड़ितों को लौटाए 84,105 रुपए

साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही गुना पुलिस ने ठगी के शिकार लोगों की रकम वापस दिलाने में भी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन में साइबर सेल ने नौ और आवेदकों को कुल 84,105 रुपए वापस कराए हैं। राशि वापस पाने वालों में यश श्रीमन, विजेन्द्र गुप्ता, मुकेश जैन, शुभम जैन, शब्बीर रईन, नीरज अहिरवार, राकेश कुशवाह, मिंटूलाल मीना और सुनील यादव शामिल हैं। साइबर सेल ने शिकायतों की जांच के बाद ठगी की रकम जिन बैंक खातों में पहुंची थी, उनकी जानकारी जुटाई और ठउफढ पोर्टल की टफट प्रक्रिया के माध्यम से संबंधित खातों में राशि होल्ड कराने की कार्रवाई की।

पुलिस की कार्रवाई जारी

गुना पुलिस की कार्रवाई निश्चित रूप से साइबर ठगी के पीड़ितों के लिए राहत देने वाली है, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामले यह भी बताते हैं कि केवल गिरफ्तारी और रकम की वापसी से इस समस्या पर पूरी तरह अंकुश लगाना आसान नहीं है। साइबर अपराधी तकनीक और लोगों की छोटी-छोटी लापरवाहियों का फायदा उठाकर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में आम नागरिकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। किसी अनजान व्यक्ति के भेजे लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें।

1930 पर करें शिकायत

गुना पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर घबराने के बजाय तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं और अपने बैंक को भी तुरंत सूचित करें। शुरूआती समय में की गई शिकायत से ठगी की रकम को संबंधित बैंक खाते में होल्ड कराने और नियमानुसार वापस दिलाने की संभावना बढ़ सकती है।

कैंडल मार्च से जगाई गई बाल विवाह को लेकर जागरुकता, रोकने शपथ भी ली गई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अशोकनगर। अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह निषेध दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग अशोकनगर की सहयोगी संस्था विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन, अशोकनगर द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता संदेश देने के उद्देश्य से कैंडल मार्च का आयोजन किया गया।

कैंडल मार्च रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-1 से प्रारंभ होकर गांधी पार्क तक निकाला गया। मार्च के दौरान बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तथा समाज में बाल विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

बाल विवाह मुक्त समाज का लिया गया संकल्प

गांधी पार्क पहुंचकर उपस्थित सभी जनसमुदाय ने बाल विवाह नहीं करने, न करवाने तथा बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में बालिकाओं एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती तृप्ति शर्मा, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती प्रियंका पवार एवं जिला समन्वयक श्री विपिन रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

बाल विवाह रोकना सभी की जिम्मेदारी

कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को यह संदेश भी दिया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य में बाधा है। बाल विवाह को रोकना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गुना के लोकनृत्य दल ने राज्य स्तरीय युवा उत्सव में बनाई जगह

गुना। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के युवा उत्सव में सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुना के लोकनृत्य दल ने ग्वालियर में हुई संभागीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर 4 दिसंबर को भोपाल में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बना ली है। लंबे अंतराल के बाद गुना जिले का कोई दल इस स्तर पर पहुंचेगा।

विद्यार्थियों ने कर्मा लोकनृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर सभी का ध्यान खींचा। दल में वर्षा अहिरवार, हेमराज अहिरवार, हिमांशु सांग्या, संस्कृति राठौर, शिवांश झा, जतिन कदम और अर्जुन ओझा शामिल रहे। इस सफलता में जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन, प्राचार्य आशीष टांटिया, दल प्रभारी शिवराज सिंह भदौरिया तथा नृत्य शिक्षिका प्रीति मालवीय का मार्गदर्शन रहा। प्राचार्य आशीष टांटिया ने विद्यार्थियों और मार्गदर्शन करने वालों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दल राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेगा। यह सफलता विद्यालय के साथ जिले की सांस्कृतिक प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणा बनी है।

ग्राम एवं नगर रक्षा समिति पुलिस और आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी: मिश्रा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में ग्राम एवं नगर रक्षा समिति का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के दौरान जिला स्तर पर समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा थाना स्तर पर भी चार सदस्यीय कार्यकारिणी गठित किए जाने का निर्णय लिया गया।

नवीन जिला कार्यकारिणी में अंतर सिंह कनेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोकनगर को नोडल अधिकारी, अविनाश उमरैया, रक्षित निरीक्षक पुलिस लाइन अशोकनगर को जिला रक्षा अधिकारी, ग्राम/नगर रक्षा समिति के अंकेश केवट, को जिला संयोजक, गुलफाम अंसारी, को जिला उप संयोजक, शिवजीत यादव, को जिला सचिव एवं अजीत पाल, को जिला उप सचिव एवं एक महिला पदाधिकारी को भी समिति में स्थान दिया गया है। थाना स्तर पर गठित होने वाली चार सदस्यीय कार्यकारिणी में संबंधित थानों के सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थाना रक्षा अधिकारी होंगे तथा ग्राम एवं नगर रक्षा समिति के सदस्यों में से थाना मुख्य रक्षक, थाना उप रक्षक एवं थाना सचिव की नियुक्ति की जाएगी।

एसपी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ग्राम एवं नगर रक्षा समिति सदस्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि ग्राम एवं नगर रक्षा समिति पुलिस और आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। नशामुक्ति अभियान को सफल बनाने तथा भयमुक्त वातावरण निर्मित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों को कर्तव्यनिष्ठा एवं समाज की सुरक्षा के प्रति समर्पण की शपथ भी दिलाई गई। सम्मेलन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश, एसडीओपी अशोकनगर ओमप्रकाश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय राजू सिंह बघेल, रक्षित निरीक्षक पुलिस लाइन अविनाश उमरैया, थाना प्रभारी यातायात रक्षित निरीक्षक अजीत सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चौहान, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक आकाश शर्मा, थाना प्रभारी अजाक निरीक्षक बृजमोहन रावत एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

डायल-112 की कार्यवाही से बची युवक की जान



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में अशोकनगर पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में थाना पिपरई अंतर्गत ग्राम मूढ़राकला से डायल-112 पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मूढ़राकला निवासी 28 वर्षीय युवा कमरे का दरवाजा बंद कर आत्महत्या का प्रयास कर रहा है। सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 में तैनात आरक्षक देवेंद्र दोहरे एवं पायलट अमित नरवरिया, ग्राम रक्षा समिति सदस्य हनी वर्मा के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचकर पुलिस की सूझबूझ, तत्परता एवं विशेष प्रयास करते हुए युवक को सुरक्षित बचा लिया। इसके पश्चात युवक को तत्काल उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरई ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अशोकनगर रेफर किया गया।

पुलिस के अनुसार इस त्वरित एवं मानवीय पहल से एक अनमोल जीवन बचाया जा सका। इस सराहनीय कार्य के लिए युवक के परिजनों एवं ग्रामवासियों द्वारा पुलिस के प्रयासों की प्रशंसा की गई। पुलिस ने आमजन से आग्रह किया है कि किसी भी व्यक्ति में मानसिक तनाव, निराशा अथवा आत्मघाती विचारों के लक्षण दिखाई देने पर उसे अकेला न छोड़ें, संवेदनशीलता के साथ उसकी सहायता करें तथा तत्काल पुलिस को सूचना दें।



सेवा दूत अभियान को लेकर नगर मंडल की बैठक संपन्न

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। भारतीय जनता पार्टी के आगामी कार्यक्रम सेवा दूत अभियान को लेकर नगर मंडल की बैठक संपन्न हुई। यह अभियान 1 दिसंबर से 25 दिसंबर तक चलाया जाएगा।

बैठक में सेवा दूत अभियान, अशोकनगर जिले के प्रभारी सचिन चौधरी पप्पू एवं मंडल अध्यक्ष प्रांजल जैन ने पूरी मंडल कार्यकारिणी के साथ मिलकर आगामी अभियान की रूपरेखा तैयार की। बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाकर उनके प्रभारी निर्धारित किए गए। इस महत्वपूर्ण बैठक में नगर मंडल के उपाध्यक्ष मुकेश ओझा, प्रमोद पाठक, करण शर्मा, महामंत्री महेंद्र सिंह, शिवकांत शर्मा, मीडिया प्रभारी विपुल जैन, सोशल मीडिया प्रभारी शैलेंद्र गोस्वामी, अमित सोनी, चंद्रकांत जगदाले सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने सेवा दूत अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

राघौगढ़-ब्यावरा-जामनेर में ऑटो चोर गिरोह का आतंक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



राघौगढ़। वाहन चोर गिरोह द्वारा ब्यावरा और राघौगढ़ से लोडिंग ऑटो वाहनों की चोरी से जुड़ी वारदातें अब तीन थाना क्षेत्रों की पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई हैं। ब्यावरा से लोडिंग वाहन चुराने के बाद चोरों ने जामनेर में एक अनाज व्यापारी के गोदाम का शटर काटकर अनाज की बोरियां पार कर लीं और राघौगढ़ के पास जंगल व स्टेट हाइवे के समीप वाहन छोड़कर दूसरे वाहन में माल लादकर फरार हो गए।

इसी बीच राघौगढ़ में भी लोडिंग वाहन चोरी की घटना सामने आने से पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस की यह कैसी निगरानी है कि पहले से खड़े चोरी के वाहन के पास ही करीब 7 किलोमीटर दूर राघौगढ़ से चुराया गया दूसरा लोडिंग वाहन भी छोड़ दिया गया। घटना के बाद पुलिस लगातार सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालती नजर आ रही है और मामले की जांच में जुटी है। दरअसल, राघौगढ़ में 20-21 तारीख की दरम्यानी रात भरसूला सड़क मार्ग से रवि वर्मा का लोडिंग ऑटो वाहन चोरी हुआ था, जिसे पुलिस ने ब्यावरा से कुछ दिन पहले चोरी हुए लोडिंग वाहन के साथ स्टेट हाइवे के पास से जब्त कर लिया है, हालांकि चोर गिरोह के सरगना अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। उधर, ब्यावरा से चुराए गए लोडिंग वाहन का इस्तेमाल कर चोरों ने मधुसूदनगढ़ सड़क मार्ग पर जामनेर के अनाज व्यापारी संतोष जैन के गोदाम का शटर काटा और वहां से 4 बोरी सरसों व 1 बोरी सोयाबीन चोरी कर ली। बताया जा रहा है कि 17-18 नवंबर की रात चोरों ने मोईया के पास दूसरे वाहन में अनाज की बोरियां लादीं और भाग निकले। यह पूरी वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है।

जुड़ रही हैं कड़ियां

वहीं, राघौगढ़ में लोडिंग वाहन चोरी की घटनाओं के बाद क्षेत्र में हुई बैंड-बाजों की चोरी को भी इसी लोडिंग वाहन चोर गिरोह से जोड़कर जांच की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, राघौगढ़ से चोरी हुआ लोडिंग ऑटो वाहन आरोन सहित कई स्थानों पर देखा गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे राघौगढ़ से लगभग 7 किलोमीटर दूर पत्थरों पर रखा हुआ जब्त किया।

दो चोरी के वाहनों के एक ही मार्ग पर पत्थरों पर रखे मिलने से पुलिस की कार्यप्रणाली और चोरों के हौसलों पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि ब्यावरा से चोरी हुआ वाहन करीब 10 दिनों से स्टेट हाइवे पर बिना स्टेपनी के पत्थरों पर खड़ा था और राघौगढ़ से चोरी हुआ वाहन भी उसी सड़क मार्ग पर पत्थरों पर मिला है।

एसडीएम ने कन्या छात्रावास का किया निरीक्षण

गुना। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शिवानी पाण्डेय ने शनिवार को म्याना स्थित आदिवासी कन्या छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं और छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर की साफ-सफाई, छात्राओं के आवास कक्षों की स्थिति तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों 39 वाहनों पर जुर्माना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अशोकनगर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा के आदेशानुसार एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती किरण तुमरची धुर्वे के निर्देशन में शहर के गांधी पार्क स्थित कुटुंब न्यायालय पर मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया।

मोबाइल कोर्ट में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष अनुरागी एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शुभम् द्विवेदी द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

11 वाहनों पर कार्रवाई

मोबाइल कोर्ट के दौरान बिना लाइसेंस 15, बिना बीमा-03, बिना नंबर-10 एवं अन्य यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले 11 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए। कुल 39 वाहनो पर कार्यवाही कर 30,600 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी यातायात अजीत सिंह नरवरिया, उनि० रामकुमार परिहार, उनि० विजय सिंह मीना एंव थाना यातायात का बल उपस्थित रहा। कार्यवाही के दौरान सभी वाहन चालकों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चलते समय सीट बेल्ट धारण करने एवं यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने, वाहनों के समस्त दस्तावेज जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन बीमा, रजिस्ट्रेशन आदि दस्तावेज साथ रखने की समझाइश दी गई।

मेढ़ उखाड़ने के विवाद पर खूनी संघर्ष, 9 लोग घायल

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के विलास गांव में शनिवार सुबह लगभग 9 बजे मेढ़ उखाड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। विवाद के दौरान दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। घटना में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें उपचार के लिए गुना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से दिनेश यादव, श्यामा बाई, सोनू यादव, गोरा बाई और दातार सिंह घायल हुए हैं, जिनमें सिर पर कुल्हाड़ी लगने से दिनेश की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

4 साल बाद भी नहीं हो सकी महिला की पहचान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अशोकनगर। मुंगावली क्षेत्र के गुन्हेरू बमोरी रेलवे ट्रैक पर घायल अवस्था में मिली एक अज्ञात महिला की पहचान घटना के चार साल बाद भी नहीं हो सकी है। पुलिस के भरसक प्रयासों के बावजूद महिला के परिजनों या निवास स्थान का कोई सुराग नहीं लग पाया है, जिसके चलते अब पुलिस ने आमजन से महिला की शिनाख्त में सहयोग करने की अपील की है।

जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल 2022 को मुंगावली-अशोकनगर रेल मार्ग स्थित गुन्हेरू बमोरी रेलवे ट्रैक पर लगभग 40 से 50 वर्ष आयु की एक अज्ञात महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे भोपाल रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान 21 अप्रैल 2022 को हमीदिया अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में मुंगावली पुलिस थाने में मर्ग क्रमांक 24/2022 दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, घटना के समय महिला ने सफेद रंग का ब्लाउज और लाइनिंगदार साड़ी पहनी हुई थी। चार वर्ष बीत जाने के बाद भी शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को इस महिला के संबंध में कोई जानकारी हो या कोई उसे पहचानता हो, तो वह तत्काल मुंगावली पुलिस में संपर्क कर सूचित करें।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)